A–BRL–M–MBXB

विधि (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

LAW (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए (आवश्यक है कि प्रत्येक भाग का उत्तर *125* शब्दों से अधिक न हो)। अपने उत्तर को विधिक उपबंधों और विनिश्चित केसों की सहायता से बल प्रदान कीजिए :

Answer the following (answer to each part must not exceed *125* words). Support your answer with the help of legal provisions and decided cases : 10×5=50

(a) ''शब्द 'स्वेच्छया', जिस प्रकार कि भारतीय दंड संहिता में उसका इस्तेमाल किया गया है, अत्यंत महत्त्वपूर्ण है और उसका अर्थ रज़ामंदीपूर्वक नहीं है बल्कि ज्ञानपूर्वक या इरादतन है।'' स्पष्ट कीजिए।

"The word 'Voluntary' as used in the Indian Penal Code is very significant and it does not mean willingly but knowingly or intentionally." Explain.

(b) ''नक़ली पुलिस मुठभेड़ें और कुछ नहीं केवल हत्याएँ हैं और स्वयं पर विधि के किसी संरक्षण के बिना उनको करने वाले पुलिस अधिकारी मृत्युदंड के पात्र होते हैं, क्योंकि ऐसे केस दुर्लभतम की भी दुर्लभ कोटि में आते हैं।'' टिप्पणी कीजिए।

"Fake police encounters are nothing but murders and police officers committing it without any protection of law to them deserve death penalty as the cases fall into rarer of the rarest category." Comment.

(c) ''अपकृत्य के रूप में न्यूसेंस का मतलब किसी व्यक्ति के भूमि के उपयोग करने अथवा आनंद करने अथवा उस पर अथवा उसके संबंध में कुछ अधिकार होने के साथ विधिविरुद्ध बाधा करना है।'' टिप्पणी कीजिए।

"Nuisance as a tort means an unlawful interference with a person's use or enjoyment of land or some right over or in connection with it." Comment.

(d) ''अस्वैच्छिक मत्तता एक प्रतिरक्षा है।'' प्रतिरक्षा के रूप में मत्तता से संबंधित विधि का समालोचनापूर्ण परीक्षण कीजिए।

"Involuntary drunkenness is a defence." Critically examine the law relating to intoxication as defence.

(e) ''उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अधीन दिए गए शब्द 'उपभोक्ता' की परिभाषा उस शब्द को एक नितांत नया विधिक वर्ण और परिधि प्रदान करती है।'' इस कथन के प्रकाश में 'उपभोक्ता' शब्द को स्पष्ट कीजिए।

"The definition given under the Consumer Protection Act, 1986 gives altogether a new legal colour and scope to the term 'Consumer'." In the light of this statement, explain the term 'Consumer'.

2. *(a)* 'समलिंगकामियों' के जीवन को दर्शाने वाली एक फिल्म के प्रस्तुतकर्ता *X* पर भारतीय दंड संहिता की धारा 292 के अधीन, यह कहकर कि फिल्म अश्लील और अशिष्ट थी, अभियोजन चलाया जाता है। फिल्म को लोक प्रदर्शन के लिए भारतीय फिल्म सेंसर बोर्ड से प्रमाणपत्र मिला था।

X अपने पर लगे आरोप पर, भारतीय दंड संहिता की धारा 79 के अधीन, संरक्षण का दावा करने का इरादा रखता है। क्या वह ऐसा कर सकता है? अपने उत्तर के पक्ष में दलील दीजिए।

X, the producer of a film showing life of 'homosexuals', is prosecuted under Section 292 of the Indian Penal Code, alleging that the film was obscene and indecent. The film was certified by the Censor Board of Film of India for public shows.

X intends to claim protection against his charge under Section 79 of the Indian Penal Code. Can he do so? Justify your answer. 25

(b) उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा से सैंकड़ों लोग मृत्यु का ग्रास बने। कुछ लोग इन शवों से स्वर्ण आभूषणों, घड़ियों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को उतारते हुए देखे गए। कुछ दिनों के बाद, पुलिस ने उनको पकड़ा और उन पर अभियोजन चलाना चाहा। भारतीय दंड संहिता के किन उपबंधों के अधीन उन पर अभियोजन किया जा सकता है? चर्चा कीजिए।

The natural calamity in Uttarakhand left hundreds dead. Some people were seen removing gold ornaments, watches and other valuables from these dead bodies. Few days later, police apprehended them and wanted to prosecute them. Under which provisions of the Indian Penal Code can they be prosecuted? Discuss. 25

3. (a) ''हमला प्रतिरक्षक का वह कृत्य है जो वादी में प्रतिरक्षक के द्वारा उस पर प्रहार किए जाने की युक्तियुक्त आशंका का कारण बनता है।'' टिप्पणी कीजिए तथा हमला और प्रहार के बीच विभेदन कीजिए।

"Assault is an act of the defendant which causes to the plaintiff reasonable apprehension of the infliction of a battery on him by the defendant." Comment and distinguish between assault and battery. 20

(b) *X* ई-मेल भेजता है *Y* को, जिसमें उसके विरुद्ध मानहानिकारक सामग्री है। ई-मेल *Y* को प्राप्त होती है, जो उसको पढ़ने के पश्चात् विलोप कर देता है। क्या *X* उस प्रकाशन के लिए दायी है? संबंधित केस विधि का हवाला दीजिए।

X sends an e-mail to *Y* containing defamatory matters against him. The e-mail is received by *Y* who deletes it after reading. Is *X* liable for publication? Refer to relevant case law. 15

(c) कार चलाते हुए *X* अचानक बेहोश हो गया और अपनी सीट पर गिर पड़ा। कार अनियंत्रित हो गई, वह *Y* से जा टकराई और उसने *Y* को मार डाला। *X* के दायित्व पर चर्चा कीजिए।

X, while driving car, suddenly became unconscious and fell back in his seat. The car became uncontrolled, it hit and killed *Y*. Discuss the liability of *X*. 15

4. (a) ''अभिवचन सौदाकारी, जिसको असंवैधानिक, अवैध और शिकायत प्रोत्साहित करने वाली और न्याय की शुद्ध बाजीगिरी की दुस्संधि और प्रदूषण को प्रोत्साहन देने की प्रवृत्ति वाली समझा जाता था, अब भारतीय आपराधिक विधि के अधीन दंडादेश का एक भाग है।'' टिप्पणी कीजिए।

"Plea bargaining, which was considered unconstitutional, illegal and tending to encourage complaint, collusion and pollution of the pure punt of justice, is now a part of sentencing under the Indian Criminal Law." Comment. 25

(b) *Q* द्वारा अपने प्रेमी *P* से विवाह का इन्कार करने के फलस्वरूप *P* अवसादग्रस्त हो गया। *P* के एक मित्र *R* ने, इस इरादे से कि ऐसा करने से *P* सदमे से बाहर निकल आएगा, *P* को बदला लेने का सुझाव दिया। *R* ने *P* को अम्ल समझते हुए द्रव की एक बोतल दी। *P* ने अंधेरे में *X* को *Q* समझकर उस (*X*) पर वह फेंक दी, जिसके फलस्वरूप *X* के चेहरे पर फफोले हो गए जो कालांतर में भयानक क्षति का कारण बने। अन्वेषणों से सामने आया कि वह अम्ल नहीं था, लेकिन कवकनाशी का एक सांद्र था। *P* और *R* को जो भी प्रतिरक्षाएँ उपलब्ध हो सकती हैं, उनको ध्यान में रखते हुए इस केस में *P* और *R* के दायित्व को विनिश्चित कीजिए।

Q refused to marry her boyfriend *P*, resulting into *P*'s depression. Mr. *R*, a friend of *P*, suggested him to take revenge with an intention that *P* will come out of shock. *R* provided *P* with a bottle of liquid believing it as acid. *P* mistook *X* to be *Q* in darkness and threw it on her (*X*) causing rashes on the face of *X*, which later resulted into serious injuries. The investigations revealed that it was not acid but was a concentrate of fungicide. Decide the liability of *P* and *R* in this case, keeping in mind that defences which may be available to *P* and *R*. 25

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए (आवश्यक है कि प्रत्येक भाग का उत्तर *125* शब्दों से अधिक न हो)। अपने उत्तर को विधिक उपबंधों और विनिश्चित केसों से बल प्रदान कीजिए :

Answer the following (answer to each part must not exceed *125* words). Support your answer with legal provisions and decided cases : 10×5=50

(a) '' 'क्षतिपूर्ति' का संबंध या तो स्वयं क्षतिपूर्तिकर्ता के या किसी परव्यक्ति के आचरण से होता है। 'गारंटी' सदैव ही परव्यक्ति के आचरण से संबंधित होती है।'' सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

" 'Indemnity' has relation to the conduct either of the indemnifier himself or of a third party. A 'Guarantee' is always related to the conduct of a third party." Elucidate.

(b) ''संविदात्मक संबंध अब कोई नियम नहीं रह गया है, बल्कि केवल अपवाद रह गया है।'' आधुनिक संव्यवहारों के संदर्भ में इसको स्पष्ट कीजिए।

"Privity of contract is no longer a rule but only an exception." Explain in the context of modern transactions.

(c) ''कॉपीराइट का अस्तित्व अभिव्यक्ति में होता है परंतु विचार में नहीं।'' कॉपीराइट अधिनियम के उपबंधों और निर्णयजन्य विधि की सहायता से इस पर चर्चा कीजिए।

"The copyright exists in expression but not in idea." Discuss with the help of the provisions of Copyright Act and case law.

(d) '' 'व्यपदेशन करना' का सिद्धांत विबंधन के सिद्धांत पर आधारित है।'' सविस्तार सुस्पष्ट कीजिए।

"The principle of 'holding out' is based on the principle of estoppel." Elucidate.

(e) ''लिखत जब एक बार सम्यक् अनुक्रम में धारक के हाथों से गुज़र जाती है, तो वह सभी त्रुटियों से शुद्ध हो जाती है, वह चालू सिक्के के समान विशुद्ध होती है।'' स्पष्ट कीजिए।

"Once an instrument passes through the hands of a holder in due course, it is purged of all defects, it is true like a current coin." Explain.

6. *(a)* ''यह विधि का एक सामान्य कथन रहा है कि जबकि कुछ विशेष प्रकारों की पारस्परिक गलती के लिए राहत उपलब्ध होती है, जब तक अन्य व्यक्ति को गलती की जानकारी न हो या गलती को जानने का कोई कारण न हो, तब तक वह एकपक्षीय गलती के लिए अनुपलब्ध होती है।'' अग्रणी निर्णयजन्य विधि के साथ, इस कथन का समालोचनापूर्ण परीक्षण कीजिए।

"It has been a common statement of the law that while relief is available for certain kinds of mutual mistake, it is unavailable for unilateral mistake unless the other party knew or had reason to know of the mistake." Critically examine the statement with leading case law. 25

(b) शब्द 'आविष्कारशील चरण', जिस रूप में उसको पेटेंट (संशोधन) अधिनियम, 2005 में समाविष्ट किया गया है, का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। क्या आप वर्तमान परिभाषा से सहमत हैं? हाल की निर्णयजन्य विधि का हवाला दीजिए।

Critically analyse the term 'inventive steps' as incorporated under the Patent (Amendment) Act, 2005. Do you agree with the present definition? Refer to recent case law. 25

7. *(a)* ''सभी राजनीतिक दलों के द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में संशोधन करने का प्रयास, इस देश में शासन की पारदर्शिता की ओर के कदमों को विध्वस्त कर देना है।'' इस कथन का समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए।

"An attempt by all political parties to bring amendments to the RTI Act, 2005 is to sabotage the steps towards transparency of governance in this country." Critically evaluate the statement. 25

(b) सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक अधिकारों या सिविल स्वतंत्रताओं या लैंगिक चिंताओं के से मामलों में भारत में कोर्टों में अधिकारिता के कठोर नियमों के बजाय चिरप्रचलित या मुक़दमेबाज़ी सक्षमता के ढीले नियमों को लागू करने की प्रवृत्ति रही है। चर्चा कीजिए।

In matters such as enforcement of social, economic, cultural or political rights or civil liberties or gender concerns, courts in India have been inclined to apply relaxed rules of standing or litigational competence rather than strict rules of locus. Discuss. 25

8. *(a)* भारत में प्रतियोगिता विधि ने प्रत्याशित परिणाम प्राप्त नहीं किया है। जिन मार्गावरोधों से यह ग्रस्त है, उन पर चर्चा कीजिए और इसको लाभदायक बनाने के लिए आवश्यक उपचार सुझाइए।

Competition Law in India has not achieved the result as was expected. Discuss the bottlenecks with which it suffers and suggest the remedies necessary to make it fruitful. 25

(b) निगमों द्वारा समुद्रतटों पर विद्यमान वन्यजीवन की तबाही पैदा करना पर्यावरणीय अपराध का एक चरम प्रकार है और उनसे सीधे निपटने के लिए कानून लगभग अनुपस्थित हैं। चर्चा कीजिए।

Corporates causing havoc to the wildlife existing on seashores is an extreme type of environmental crime and laws are almost non-existent to deal with them directly. Discuss. 25

★ ★ ★

विधि

प्रश्न-पत्र—II

LAW

Paper—II

निर्धारित समय : तीन घंटे *Time Allowed : Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

*दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

*उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू०सी०ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each Section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—अ

SECTION—A

Q. 1 निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। विधि उपबंधों और न्यायिक निर्णयों की सहायता के साथ उत्तर दें :

Answer the following in about 150 words each. Support your answers with legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

Q. 1(a) प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार से क्या अभिप्रेत है ? प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का आधार कौनसे सामान्य सिद्धांत हैं ?

What is meant by right of private defence ? What are the general principles which form the basis of right of private defence ? 10

Q. 1(b) अपराध के विभिन्न चरणों का विवेचन कीजिए। भारतीय दंड संहिता के अधीन प्रयत्न का चरण किस प्रकार दंडनीय है ?

Discuss various stages of crime. How is the stage of attempt punishable under the Indian Penal Code ? 10

Q. 1(c) "सूत्र 'स्वेच्छया जोखिम को ग्रहण करना' है, 'जोखिम का ज्ञान' नहीं।" समझाइए।

"The maxim is 'volenti non fit injuria' and not 'scienti non fit injuria'." Explain. 10

Q. 1(d) "अपकृत्य सिविल दोष का एक प्रकार है।" इस परिभाषा का परीक्षण कीजिए और इसमें अन्य लक्षण जोड़कर इसको व्यापक बनाइए।

"A tort is a specie of civil wrong." Examine this definition and add other features to make it comprehensive. 10

Q. 1(e) "भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 भारत में लोकतंत्र को सुरक्षित रखने के लिए एक महत्वपूर्ण विधान है।" विवेचन कीजिए।

"Prevention of Corruption Act, 1988 is an important legislation to safeguard democracy in India." Discuss. 10

Q. 2(a) अपराध के घटक तत्व कौनसे हैं ? सुसंगत निर्णय विधि के साथ आपराधिक मन:स्थिति का सविस्तार विवेचन कीजिए।

What are the constituent elements of crime ? Elaborately discuss mens rea with relevant case law. 20

Q. 2(b) अपनी पत्नी के शरीर के अमर्म (नॉन वाइटल) भागों पर बार-बार लातों से A ने हमला किया। वह भूमि पर गिर गई और मूर्छित हो गई। ऐसा आभास देने के लिए कि उसने आत्महत्या की थी A ने मूर्छित शरीर को उठा लिया और उसको मृत समझकर एक रस्सी से गर्दन बांध कर लटका दिया। शव परीक्षण से यह साबित हो गया कि मृत्यु गर्दन बांध कर लटकाने से हुई।

न्यायिक निर्णयों की सहायता से A के आपराधिक दायित्व का विवेचन कीजिए।

'A' assaulted his wife by kicking her repeatedly on non-vital parts of her body. She fell down and became unconscious. In order to create an appearance that she had committed suicide he took up the unconscious body and thinking it to be a dead body hung it up by a rope. The post mortem examination showed that death was due to hanging.

With the help of decided cases determine the culpability of A. 20

Q. 2(c) "किसी कार्य के अवैध लोप का दुष्प्रेरण अपराध की कोटि में आ सकेगा, चाहे दुष्प्रेरक उस कार्य को करने के लिए स्वयं आबद्ध न हो।" समझाइए और दृष्टांत दीजिए।

"The abetment of the illegal omission of an act may amount to an offence although the abettor may not himself be bound to do that act." Explain and illustrate. 10

Q. 3(a) "आपराधिक न्यासभंग और छल दो भिन्न अपराध हैं जिनमें सामान्यत: बेईमानी का आशय होता है परंतु मूल संकल्पना में वे आपस में गैरमिलनसार और अलग हैं।"

निर्णय विधि की सहायता से समझाइए।

"Criminal breach of trust and cheating are two distinct offences generally involving dishonest intention but mutually exclusive and different in basic concept."

Explain with the help of decided cases. 20

Q. 3(b) "भारतीय दंड संहिता की धारा 304-क के अधीन उतावलेपन से या उपेक्षापूर्ण कृत्य से मृत्यु करने और धारा 304 के अधीन आपराधिक मानव-वध जो हत्या नहीं है के बीच अंतर सूक्ष्म है, पर इसकी अनदेखी करने पर गंभीर अन्याय हो सकता है।" समझाइए।

"Distinction between death caused by rash or negligent act under section 304-A and culpable homicide not amounting to murder under section 304 of the Indian Penal Code is fine, but if overlooked, can result in grave injustice." Discuss. 20

Q. 3(c) "यह निर्णय करने के लिए कि क्या योगदायी उपेक्षा में शिशु का दायित्व है उसकी आयु पर विचार करना आवश्यक है।"

विवेचन कीजिए और निर्णय विधि का संदर्भ दीजिए।

"The age of a child must be considered in deciding whether it has been guilty of contributory negligence."

Discuss and refer to case law. 10

Q. 4(a) "कस्तूरी लाल *बनाम* उत्तर प्रदेश राज्य में उच्चतम न्यायालय के निर्णय को यद्यपि उलटा नहीं गया है, तथापि सभी व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए इसका बल पर्याप्त कम कर दिया गया है।" स्पष्ट कीजिए।

"Although the decision of the Supreme Court in Kasturi Lal *v.* State of U.P. has not been overruled as such, yet for all practical purposes its force has been considerably reduced." Elucidate. 20

Q. 4(b) A की पत्नी W विषाक्त एपीडर्मल नेक्रोलिसिस की बीमारी से ग्रसित थी। चिकित्सक D से परामर्श करने पर उसने देर तक कार्य करने वाली कॉर्टिको स्टिरॉयड 'डेपोमेड्रॉल' की 80 मिलिग्राम की सुई प्रत्येक दिन दो बार लगाना निश्चित किया। इस औषधि के लेने के पश्चात् भी W का स्वास्थ्य ख़राब होता ही रहा और एक सप्ताह के भीतर ही उसकी मृत्यु हो गई। विशेषज्ञ की राय पर यह मालूम हुआ कि D के द्वारा लागू की गई चिकित्सा प्रणाली चिकित्सीय सोच की किसी भी विचारधारा से समर्थित नहीं है और यह स्टिरॉयड के उपयोग के संबंध में मूल परिसंकट की निरा अज्ञानता में है। अपनी पत्नी W की मृत्यु के लिए 75 लाख रुपये की मांग करते हुए A ने उपभोक्ता मंच में परिवाद दाखिल किया। उपभोक्ता मंच की अधिकारिता पर D ने आपत्ति की और अपनी कोई उपेक्षा न होने का तर्क भी दिया। निर्णय कीजिए।

W, wife of A was diagnosed to be suffering from toxic Epidermal Necrolysis. Doctor D was consulted who prescribed a long acting Cortico steroid 'Depomedrol' injection at a dose of 80 mg twice daily. Despite administration of this medicine her condition deteriorated rapidly and she died within a week. On expert opinion, it was found that the line of treatment followed by D is not supported by any school of medical thought and is in sheer ignorance of basic hazard relating to use of steroids. A files a complaint in Consumer Forum claiming Rupees 75 lakhs as damages for death of his wife W. D objects to the jurisdiction of the Consumer Forum and also pleads lack of negligence on his part. Decide. 20

Q. 4(c) "मानहानि के अपकृत्य के सभी मामलों में यह आवश्यक नहीं है कि वादी की ख्याति की हानि हुई हो।" समझाइये और दृष्टांत दीजिए।

"It is not necessary that in all cases of tort of defamation there must be a loss of reputation of the plaintiff." Explain and illustrate. 10

खण्ड—ब

SECTION—B

Q. 5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक 150 शब्दों से अधिक में न हों। अपने उत्तर के समर्थन में विधिक उपबंधों और विनिश्चित मामलों का उल्लेख कीजिए :

Answer the following (answer to each part must not exceed 150 words). Support your answer with relevant legal provisions and decided cases : 10×5=50

Q. 5(a) "यदि किसी संविदा का भंग किया गया हो, तो विधि प्रयास करेगा कि जहाँ तक धन का सामर्थ्य है, क्षतिग्रस्त पक्ष को ऐसी स्थिति में स्थापित कर दिया जाये कि मानो संविदा का पालन कर लिया गया हो।"

उपरोक्त कथन को स्पष्ट कीजिए और कोर्ट द्वारा नुकसानी (डैमेजैस) के आकलन के लिए अनुसरण किए जाने वाले सिद्धांत पर चर्चा कीजिए।

If a contract is broken, the law will endeavour so far as money can do it, to place the injured party in the same position as if the contract had been performed.

Explain the above statement and discuss the principle court follows for assessment of damages. 10

Q. 5(b) "साइबर अपील अधिकरण के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के लिए कार्यविधि और अर्हताएं न्याय के स्तरों का अनुरक्षण करने के लिए प्रस्तुत की गई हैं।" टिप्पणी कीजिए।

"The procedure and qualifications for appointment of chairperson and members of Cyber Appellate Tribunal have been introduced to keep up the standards of Justice." Comment. 10

Q. 5(c) न्यायनिर्णयन की एक वैकल्पिक विधि के रूप में, माध्यस्थम् पक्षकारों को, माध्यस्थम् और सुलह अधिनियम, 1996 के अधीन पक्षकारों के द्वारा कोर्ट की पहुँच के कठोरतापूर्वक नियंत्रण के तथ्य को ध्यान में न रखते हुए भी, अधिकांशत: स्वीकार्य है। स्पष्ट कीजिए।

Arbitration, as an alternate method of adjudication is acceptable to parties largely irrespective of the fact that access to court by the parties has been curbed drastically under the Arbitration and Conciliation Act, 1996. Explain. 10

Q. 5(d) 'मुनाफे के आपस में बांट लेने' से 'पारस्परिक उत्तरदायित्व' तक भागीदारी की वास्तविक संकल्पना कौक्स वी. हिकमैन प्रकरण (केस) में विनिश्चय का परिणाम है। विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

The actual concept of partnership from 'people sharing the profit' to 'mutual responsibility' was the outcome of the decision in Cox *V.* Hickman case. Elaborate. 10

Q. 5(e) "मालिक के प्रति सब-एजेंट का दायित्व, कपट और जानबूझकर किए गए दोष को छोड़कर, प्रत्यक्ष नहीं होता है।" कारण बताते हुए स्पष्ट कीजिए।

"The liability of sub-agent towards principal is not direct, except in case of fraud and wilful wrong." Explain giving reasons. 10

Q. 6(a) ऐक्स एण्ड कंपनी ने अपने प्रास्पेक्टस में प्रस्तुत किया कि A, B और C कंपनी के निदेशक होंगे। यह सही था और इसके आधार पर P और Q ने शेयरों के लिए आवेदन किया। परंतु, आबंटन किए जाने से पहले निदेशकों में परिवर्तन किए गए। क्या P और Q को किए गए आबंटन उनकी पसंद के अधीन हैं, या कि निदेशकों में परिवर्तन के कारण वे आबंटन रद्द माने जाएंगे ? चर्चा कीजिए।

X and Co. in its prospectus represented that A, B and C would be the directors of the company. This was true and on the basis of this P and Q applied for shares. However, before the allotment took place, there were changes in directors. Is the allotment of P and Q subject to their choice or it stands cancelled due to change in directors ? Discuss. 10

Q. 6(b) 'ख', जो एक बैंक में रु. 1,600 के मासिक वेतन पर नियुक्त है, के सदाचरण (गुड कंडक्ट) के लिए 'क' प्रतिभू (श्योरटी) देता है। इसके तीन महीने के बाद जब बैंक की वित्तीय स्थिति बिगड़ जाती है, 'ख' रु. 1,500 के मासिक वेतन को स्वीकार करने के लिए राजी हो जाता है। इसके दो महीने के पश्चात् पाया जाता है कि 'ख' सारी अवधि के दौरान, नकदी का दुर्विनियोग (मिसऐप्रोप्रिएशन) करता रहा है। भारतीय विधि के अधीन, प्रतिभू के रूप में, 'क' का क्या दायित्व है ?

A, stands as a surety for the good conduct of B, who is employed in a Bank on a monthly salary of Rs. 1,600. Three months after when the financial position of the bank deteriorated B, agreed to accept a monthly salary of Rs. 1,500. Two months after, it is discovered that B has been misappropriating cash all through. What is the liability of A as surety under the Indian Law ? 20

Q. 6(c) भारत में न्यायपालिका पक्षपातरहित है, अतएव उसको आंतरिक या बाह्य कारकों के द्वारा प्रभावित नहीं किया जा सकता है। इसके प्रकाश में, चर्चा कीजिए कि मीडिया किस हद तक अपनी सीमा का उल्लंघन करने और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करता है।

Judiciary in India is impartial, hence can not be influenced by internal or external factors. In the light of this discuss how far media transgresses its limit and attempts to influence the judicial process. 20

Q. 7(a) कापीराइट कलाकार, लेखक, फिल्म निर्माता का अधिकार है, जिसने अपने कलात्मक कौशलों के उपयोग के द्वारा एक कृत्य का सृजन किया है। कापीराइट के अतिलंघन, विशेषकर वीडियो-चोरी से संबंधित अतिलंघन, का और विधि के अधीन उपलब्ध उपचारों का परीक्षण कीजिए।

"Copyright is the right of the artist, author, producer of a film who have created a work by use of their artistic skills." Examine infringement of copyright particularly relating to video piracy and the remedies available under the law. 20

Q. 7(b) " 'लोक न्यास' के सिद्धांत ने, जैसा कि उच्चतम न्यायालय ने उसको प्रतिपादित किया है, भारत में पर्यावरण के संरक्षण के एक उपकरण के तौर पर काम किया है।" चर्चा कीजिए।

The doctrine of "Public Trust" as propounded by Supreme Court has worked as an instrument for protection of Environment in India. Discuss. 15

Q. 7(c) उपभोक्ता संरक्षण की विस्तारशील विधि में, 'क्रेता सावधान रहे' (कैविएट ऐम्पटर) के नियम की परिधि को स्पष्ट कीजिए।

Explain the scope of rule of "Caveat Emptor" in the expanding law of consumer protection. 15

Q. 8(a) 'प्रतिस्पर्धा न करने का अधिकार' एक ऐसा अधिकार है जिसका उद्देश्य फर्म कहलाने वाले लघु समूहों के माध्यम से कारोबार की प्रोन्नति करना है। स्पष्ट कीजिए।

"Right not to compete" is a right meant for promoting business through small groups called firms. Explain. 20

Q. 8(b) प्रतीत होता है कि विकल्पी विवाद समाधान के एक तरीके के तौर पर, लोक अदालतें उन लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रही हैं, जिनके लिए उनका निर्माण किया गया था। टिप्पणी कीजिए।

"By and large Lok-Adalats have failed in achieving the objects for which they were created." Comment. And also suggest some measures to make this institution more effective. 10

Q. 8(c) साइबर आतंकवाद एक सुव्यवस्थित सीमापार आपराधिक कार्य है। अतएव, संभव है कि वैश्विक विधि द्वारा समर्थित देशीय विधि, संयुक्त रूप से इस समस्या का समाधान निकाल पाए। चर्चा कीजिए।

Cyber-terrorism is a well organised transborder criminal act, hence a combined domestic law supported by a Global law may help to address the problem. Discuss. 20

CS (Main) Exam 2015

C–AVZ–O–MBXB

विधि

प्रश्न-पत्र—II

LAW

Paper—II

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each Section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—अ

SECTION—A

Q. 1 निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। विधिक उपबंधों और न्यायिक निर्णयों की सहायता से उत्तर दें :

Answer the following in about 150 words each. Support your answer with legal provisions and judicial pronouncements : **10×5=50**

Q. 1(a) "'अस्पृश्यता' से उपजी किसी निर्योग्यता को लागू करना अपराध होगा जो विधि के अनुसार दंडनीय होगा।'' सिविल अधिकारों के संरक्षण के प्रकाश में टिप्पणी कीजिए।

"The enforcement of any disability arising out of 'Untouchability' shall be an offence punishable in accordance with law." Comment in the light of protection of Civil Rights. 10

Q. 1(b) आपराधिक न्याय भारत में दोषकर्ता को दण्डित करके प्रशासित किया जाता है और दण्ड के उद्देश्य को विभिन्न अपराध-शास्त्रियों के द्वारा पृथक-पृथक रूप से विचारित किया जाता है।'' व्याख्या कीजिए।

"The criminal justice is administered in India by punishing the wrongdoer and the object of punishment is viewed differently by different criminologists." Elucidate. 10

Q. 1(c) "अपकृत्य विधि में, संयुक्त अपकृत्यकर्ताओं का दायित्व संयुक्त और पृथक-पृथक होता है।'' विवेचना कीजिए।

"Liability of joint tort feasors in Law of Tort is Joint and Several." Discuss. 10

Q. 1(d) "आपराधिक षड्यंत्र का अपराध गठित करने के लिए दो या अधिक व्यक्तियों के बीच कोई अवैध कार्य, अथवा कोई ऐसा कार्य, जो अवैध नहीं है, अवैध साधनों के द्वारा, करने की सहमति का होना अनिवार्य है।'' आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"To constitute the offence of criminal conspiracy there must be an agreement to do, or cause to be done, an illegal act, or an act which is not illegal by illegal means." Critically examine. 10

Q. 1(e) न्यायिक निर्णयों की सहायता से समझाइए कि भारतीय दण्ड संहिता की धारा 299(3) के अधीन आपराधिक मानववध कब धारा 300(4) के अधीन हत्या हो जाएगी।

Explain with the help of decided cases as to when Culpable Homicide under Section 299(3) will become Murder under Section 300(4) of Indian Penal Code. 10

Q. 2(a) "सद्भावपूर्वक दी गई संसूचना उस अपहानि के कारण अपराध नहीं है, जो उस व्यक्ति को ही जिसे वह दी गई है, यदि वह उस व्यक्ति के फायदे के लिए दी गई है।'' समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"No communication made in good faith is an offence by reason of any harm to the person to whom it is made, if it is made for the benefit of that person." Critically examine. 20

Q. 2(b) "भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अधीन उन विभिन्न परिस्थितियों को समझाइए, जिनमें लोक सेवक आपराधिक अवचार का अपराध करता हुआ कहा जाता है।''

Explain the various circumstances under which a 'public servant' is said to commit the offence of "Criminal misconduct" under 'The Prevention of Corruption Act, 1988'. 15

Q. 2(c) क्या बिना सदोष अभिलाभ या सदोष हानि कारित किए किसी को सम्पत्ति के कब्जे से वंचित करने का आचरण चोरी हो सकती है ? टिप्पणी कीजिए।

Whether the conduct of depriving someone from possession of property without causing wrongful gain or wrongful loss amount to theft ? Comment. 15

Q. 3(a) "उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 शिकायतों (परिवादों) के निवारण के लिए, तीन सोपानिक संरचना प्रदान करता है।'' व्याख्या कीजिए।

"The Consumer Protection Act, 1986 provides a three tier structure for redressal of complaints." Elucidate. 20

Q. 3(b) "लोक न्यूसेंस (उपताप) एक अपराध है, जबकि निजी न्यूसेंस एक सिविल दोष है।'' समझाइए।

"Public nuisance is a crime whereas private nuisance is a civil wrong." Explain. 15

Q. 3(c) "हाल के समय में अपकृत्य में राज्य के दायित्व में तीव्र परिवर्तन हुए हैं।'' अद्यतन न्यायिक निर्णयों के प्रकाश में विवेचना कीजिए।

"State liability in Torts has undergone an acute transformation in recent times." Discuss in the light of latest judicial pronouncements. 15

Q. 4(a) न्यायिक निर्णयों की सहायता से ऐसी परिस्थितियों की विवेचना कीजिए, जिनमें अमानहानिकारक दिखाई देने वाले कथनों को वादी मानहानिकारक साबित कर सकता है।

Discuss with the help of judicial pronouncements the situations in which plaintiff may prove apparently non-defamatory statements as defamatory. 20

Q. 4(b) विनिश्चित मामलों की सहायता से चर्चा कीजिए कि कहाँ योगदायी उपेक्षा के मामलों में निर्णय देते समय न्यायालय वादी और प्रतिवादी दोनों की तरफ से उपेक्षा को ध्यान में रखती है।

Discuss with the help of decided cases where the Court while deciding cases on contributory negligence keeps in mind the negligence on the part of plaintiff and defendant both. 15

Q. 4(c) "चलने-फिरने की स्वतन्त्रता पर पूर्ण अवरोध, चाहे उसकी अवधि कितनी भी कम क्यों न हो, मिथ्या परिरोध की कोटि में आयेगा।'' सुसंगत निर्णयजन्य विधि की सहायता से विवेचना कीजिए।

"Total restraint on the liberty of movement of a person, however short its duration may be, will amount to false imprisonment." Discuss with the help of relevant case law. 15

खण्ड—ब

SECTION—B

Q. 5 निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए। विधिक उपबंधों और न्यायिक निर्णयों की सहायता से उत्तर दें :

Answer the following in about 150 words each. Support your answer with relevant legal provisions and decided cases : **10×5=50**

Q. 5(a) एक गायिका A एक रेस्तरां के प्रबन्धक B से अगले दो माह के दौरान प्रति सप्ताह में दो रात, उसके रेस्तरां में गाने की संविदा करती है और B उसे हर रात में गाने के लिए ₹ 5,000 देने के लिए वचनबद्ध होता है। छठी रात को A उस रेस्तरां से जानबूझकर अनुपस्थित रहती है और परिणाम-स्वरूप B उस संविदा को विखंडित कर देता है। विनिश्चय कीजिए।

A, a singer, contracts with B, the manager of a restaurant, to sing at his restaurant for two nights every week during next two months; and B engages to pay to her 5,000/- rupees for each night's performance. On the sixth night, A wilfully absents herself from the restaurant and B, in consequence, rescinds the contract. Decide. 10

Q. 5(b) "लोकहित मुकदमा (पी.आई.एल.) याचिका भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत, उच्चतम न्यायालय में दाखिल नहीं की जा सकती, केवल यदि मूल अधिकारों के प्रवर्तन से संबन्धित प्रश्न सन्निहित हो।'' समीक्षा कीजिए।

"PIL writ petition cannot be filed in the Supreme Court under Article 32 of Indian Constitution only if a question concerning the enforcement of 'Fundamental Rights' is involved." Comment. 10

Q. 5(c) "हर करार, जिससे उसका कोई पक्षकार किसी संविदा के अधीन या बारे में अपने अधिकारों को मामूली अधिकरणों में प्रायिक विधिक कार्यवाहियों द्वारा प्रवर्तित कराने से आत्यंतिकत: अवरुद्ध किया जाता है, या जो उस समय को, जिसके भीतर वह अपने अधिकारों को इस प्रकार प्रवृत करा सकता है, परिसीमित कर देता हो, उस विस्तार तक शून्य है।'' इस सिद्धांत के यदि कोई अपवाद हों, तो समझाइए।

"Every agreement by which any party thereto is restricted absolutely from enforcing his rights under or in respect of any contract, by the usual legal proceedings in the ordinary Tribunals, or which limits the time within which he may thus enforce his right is void to that extent." Explain the exceptions, if any, of this principle. 10

Q. 5(d) 'लोगों के स्वास्थ्य पर ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव' पर एक टिप्पणी लिखिए।

Write a note on 'Impact of noise pollution on the health of the people.' 10

Q. 5(e) बीच-बचाव (मध्यस्थता) के विभिन्न सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

Discuss the various principles of 'mediation'. 10

Q. 6(a) "अवक्रय करार एक उपनिधान जमा विक्रय करने का करार है।'' समझाइए।

"A hire purchase agreement is a bailment plus an agreement to sell." Explain. 20

Q. 6(b) "वह संविदा, जिसके द्वारा एक पक्षकार दूसरे पक्षकार को स्वयं वचनदाता के आचरण से या किसी अन्य व्यक्ति के आचरण से उस दूसरे पक्षकार को होने वाली हानि से बचाने का वचन देता है, 'क्षतिपूर्ति की संविदा' कहलाती है।" समझाइए।

"A contract by which one party promises to save the other from loss caused to him by the conduct of the promisor himself or by the conduct of any other person, is called, a contract of indemnity". Explain. 15

Q. 6(c) पेटेंट अधिनियम, 1970 के अधीन अनिवार्य अनुज्ञप्ति (लाइसेंसिंग) के विभिन्न उपबंधों की विवेचना कीजिए।

Discuss various provisions of Compulsory Licencing under Patents Act, 1970. 15

Q. 7(a) "विद्यमान विवादों के बारे में 'माध्यस्थम् करार' मुख्य संविदा में माध्यस्थम् खण्ड के रूप में हो भी सकता है अथवा नहीं भी हो सकता है।" समझाइए।

"An 'Arbitration Agreement' with respect to existing disputes, may or may not be in the form of an Arbitration clause in the main contract." Explain. 20

Q. 7(b) "संविदा के मानक प्ररूप में, अन्तर्निहित शोषण की सम्भावना के विरुद्ध व्यक्ति संरक्षण दिए जाने के योग्य होता है।" समझाइए।

"The individual deserves to be protected against the possibility of exploitation inherent in 'Standard Form of Contract'." Explain. 15

Q. 7(c) अवयस्क के करारों से संबंधित विधि समझाइए।

Explain the law relating to minor's agreements. 15

Q. 8(a) "माल विक्रय की संविदा में माल में सम्पत्ति या स्वामित्व विक्रेता से क्रेता को चला जायेगा, जिसमें पक्षकारों का आशय हो।" आवश्यक विधिक उपबंधों और निर्णयजन्य विधि की सहायता से, इस कथन को समझाइए।

"In a contract of sale of goods property or ownership in the goods will pass from seller to the buyer which the parties intend to pass." Explain the statement with necessary legal provisions and case law. 20

Q. 8(b) 'वार्ता और पृष्ठांकन' से क्या अभिप्रेत है, स्पष्टतः समझाइए। साधारण समुनदेशन से वार्ता किस प्रकार भिन्न है ?

Explain clearly what is meant by 'negotiation and endorsement'. How does negotiation differ from ordinary assignment ? 15

Q. 8(c) विभिन्न परिस्थितियों को समझाइए, जिनमें फर्म का विघटन किया जा सकता है। फर्म के विघटन के पश्चात् भागीदारों के अधिकार और दायित्व क्या-क्या होते हैं ?

Explain the various circumstances in which a firm may be dissolved. What are the rights and obligations of partners after dissolution of firm ? 15

M-ESC-D-LAW

विधि / LAW

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : *तीन* घंटे
*Time Allowed : **Three** Hours*

अधिकतम अंक : **250**
*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्धिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए । विधिक प्रावधानों व न्यायिक निर्णयों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए ।

Answer the following in about 150 words each. Support your answer with legal provisions and judicial pronouncements. *10×5=50*

(a) "आपराधिक दायित्व की मात्रा के निर्धारण में विधि अपराधी के हेतु, पैमाने व चरित्र पर विचार करती है ।" कानूनी अपराधों में आपराधिक मन:स्थिति की अनुपस्थिति के प्रकाश में इस कथन का परीक्षण कीजिए ।

"In determining the quantum of criminal liability, the law takes into account the motive, magnitude and character of the offender." Examine this statement in the light of absence of mens rea in statutory offences. *10*

(b) "भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988, लोक सेवकों को अपनी आधिकारिक क्षमता के दुरुपयोग एवं दुष्प्रयोग करने से रोकता है ।" टिप्पणी कीजिए ।

"The Prevention of Corruption Act, 1988 prevents the public servants from misuse and abuse of their official capacity." Comment. *10*

(c) "अभी हाल में त्रुटिहीन दायित्व के नियम में भारी परिवर्तन आया है ।" टिप्पणी कीजिए ।

"No fault liability rule has undergone a drastic change in the recent past." Comment. *10*

(d) "वादी के केवल दोषमुक्त हो जाने से, दुर्भाव (द्वेष) अनुमानित नहीं हो सकता । दोषमुक्ति के अलावा, वादी को यह सिद्ध करना आवश्यक होता है कि उसका अभियोजन द्वेषपूर्वक व बिना यथोचित व सम्भावित कारण के हुआ था ।" टिप्पणी कीजिए ।

"Malice is not to be inferred merely from the acquittal of the plaintiff. The plaintiff must prove independently of the acquittal that his prosecution was malicious and without reasonable and probable cause." Comment. *10*

(e) अभिवचन सौदे (प्ली बार्गेन) के विशेष सन्दर्भ में, दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2005 का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine the Code of Criminal Procedure (Amendment) Act, 2005 especially with reference to plea bargaining. *10*

Q2. (a) "राजद्रोह से सम्बन्धित भा.दं.सं. की धारा 124A, जहाँ तक सरकार के विरुद्ध केवल दुर्भावनाओं को दण्डित करती है, संविधान के अधिकारातीत है । यह अनुच्छेद 19(1)(a) द्वारा प्रदत्त वाक्-स्वातंत्र्य और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य पर अनुचित पाबन्दी है तथा संविधान के अनुच्छेद 19(2) में व्यक्त "लोक व्यवस्था के हित में" में आरक्षित नहीं है ।" टिप्पणी कीजिए ।

"Section 124A of the IPC dealing with sedition is ultra-vires of the Constitution insofar as it seeks to punish merely bad feelings against the Government. It is an unreasonable restriction on freedom of speech and expression guaranteed under Article 19(1)(a) and is not saved under Article 19(2) of the Constitution by the expression "in the interest of public order"." Comment. *20*

(b) "आपराधिक मानव वध, यदि बिना पूर्वयोजन के, आवेश में आकर अचानक झगड़े में कारित हो, तो वह हत्या नहीं है ।" अग्र निर्णयज विधि के साथ इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

"Culpable homicide is not murder, if it is committed without premeditation, in a sudden fight in the heat of passion." Critically examine the statement with leading case law. *15*

(c) "कोई व्यक्ति समुचित सावधानी व देखभाल से विधिवत तरीके व विधिवत साधन से किए गए विधिपूर्ण कार्य के अज्ञात व अनायास (अनपेक्षित) परिणामों के लिए आपराधिक रूप से ज़िम्मेवार नहीं होता है ।" स्पष्ट कीजिए ।

"A man is not criminally responsible for unintended and unknown consequences of his lawful acts performed in a lawful manner, by lawful means with proper care and caution." Elucidate. *15*

Q3. (a) "स्वेच्छा से सहन की गई हानि, न तो वैधिक क्षति होती है और न ही वादयोग्य ।" इसकी परिसीमाओं सहित व्याख्या कीजिए ।

"Harm suffered voluntarily does not constitute a legal injury and is not actionable." Elaborate along with its limitations. *20*

(b) "परंतु फिर भी, असावधानी का सीधा साक्ष्य सदैव आवश्यक नहीं होता है व वाद की परिस्थितियों से उसे अनुमानित किया जा सकता है ।" निर्णयों के साथ सविस्तार स्पष्ट कीजिए ।

"Direct evidence of negligence, however, is not always necessary and the same may be inferred from the circumstances of the case." Elucidate with cases. *15*

(c) "वादी को जानने वाले लोगों के द्वारा यदि कथन को उससे सम्बन्धित समझा जाएगा, तो यह निरर्थक है कि प्रतिवादी मानहानिकारक कथन को वादी पर लागू करने का आशय रखता था या उस वादी के अस्तित्व से अवगत था ।" निर्णयज विधि से स्पष्ट कीजिए ।

"It is immaterial whether the defendant intended the defamatory statement to apply to the plaintiff or knew of the plaintiff's existence if the statement might reasonably be understood by those who knew the plaintiff, to refer to him." Elucidate with case law. *15*

Q4. (a) "उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्रावधान तत्कालीन प्रवर्तित किसी अन्य विधि के प्रावधानों के अतिरिक्त होंगे न कि उसके अल्पीकरण में होंगे ।" इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

"Provisions of the Consumer Protection Act, 1986 shall be in addition to and not in derogation of the provisions of any other law for the time being in force." Critically examine the statement. *15*

(b) "षड्यंत्र को अपराध बनाने वाली विधि का उद्देश्य रिष्टि करने की असंयत शक्ति पर रोक लगाना है, जो साधनों के संयोजन से प्राप्त हो जाती है ।" व्याख्या कीजिए ।

"The law making conspiracy a crime is designed to curb immoderate power to do mischief which is gained by a combination of the means." Explain. *15*

(c) "व्यक्ति का हरेक परिरोध एक कारावास होता है, चाहे वह सार्वजनिक कारागार में हो या निजी घर में हो, स्टाक में हो, या लोक मार्गों में जबरन बन्दीकरण के द्वारा हो ।" निर्णयज विधि की सहायता से इस बात को स्पष्ट कीजिए ।

"Every confinement of the person is an imprisonment, whether it be in a common prison or in a private house, or in the stocks or even by forcibly detaining one in the public streets." Explain with the help of case law. *20*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए । उपयुक्त विधिक उपबन्धों और न्यायिक निर्णयों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए ।

Answer the following in about 150 words each. Support your answer with relevant legal provisions and decided cases. *10×5=50*

(a) "स्वीकृति के लिए प्रस्ताव वही है जो माचिस की जलती तिल्ली, गनपाउडर की ट्रेन के लिए है । यह वह उत्पन्न करती है जिसे न वापस किया जा सकता और न निरस्त किया जा सकता" — एन्सन । समझाइए ।

"An offer is to an acceptance what a lighted match-stick is to a train of gunpowder. It produces something which cannot be recalled or undone" — Anson. Explain. *10*

(b) "हर संविदा में एक 'मूल' या 'मौलिक दायित्व' होता है, जिसका पालन करना आवश्यक होता है । यदि कोई पक्षकार इस मौलिक दायित्व के पालन में असफल रहता है, तो वह संविदा भंग का दोषी होगा, भले ही उसे बचाने की कोई उपधारा सम्मिलित की गई है या नहीं ।" निर्णयज विधि के साथ इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

"Every contract contains a 'core' or 'fundamental obligation' which must be performed. If one party fails to perform this fundamental obligation, he will be guilty of a breach of contract whether or not any exempting clause has been inserted which purports to protect him." Critically examine the statement with case law. *10*

(c) "व्यक्तियों का कोई समूह फ़र्म है या नहीं, अथवा कोई व्यक्ति फ़र्म में साझेदार है या नहीं, इसका निर्धारण पक्षकारों के बीच सभी संबद्ध तथ्यों द्वारा प्रदर्शित वास्तविक सम्बन्धों के आधार पर होता है ।" टिप्पणी कीजिए ।

"In determining whether a group of persons is or is not a firm, or whether a person is or is not a partner in the firm, regard shall be had to the real relations between the parties, as shown by all relevant facts taken together." Comment. *10*

(d) A ने B से ₹ 1,000 कर्ज़ लिया, परंतु कर्ज़ा परिसीमा अधिनियम, 1963 के द्वारा कालातीत है । तदुपरान्त A ने पूर्व ऋण की जगह ₹ 1,000 अदा करने के लिखित वचन पर हस्ताक्षर किया । इस करार की विधिमान्यता का निर्णय कीजिए ।

A owed B ₹ 1,000, but the debt is barred by the Limitation Act, 1963. Subsequently A signs a written promise to pay ₹ 1,000 on account of the previous debt. Decide the validity of this agreement. *10*

(e) "परक्राम्य लिखत के हर एकमात्र निष्पादक, लेखीवाल, पाने वाला या पृष्ठांकिती या सभी संयुक्त निष्पादक, लेखीवाल, पाने वाले या पृष्ठांकिती, इसे पृष्ठांकित या परक्रामण कर सकते हैं ।" उपर्युक्त कथन के प्रकाश में, पृष्ठांकन और परक्रामण के बीच भेद बताइए व 'पृष्ठांकन' के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या भी कीजिए ।

"Every sole maker, drawer, payee or endorsee, or all of joint makers, drawers, payees, or endorsees, of a negotiable instrument may endorse and negotiate it." In the light of the above statement, distinguish between endorsement and negotiation and also explain different kinds of 'endorsements'. *10*

Q6. (a) "सूचना अधिकार अधिनियम, 2005, प्रत्येक लोक प्राधिकरण की कार्यशैली में पारदर्शिता व जवाबदेही को बढ़ाने के लिए अधिनियमित किया गया था ।" गत दस वर्षों में, सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 द्वारा यह उद्देश्य किस सीमा तक प्राप्त हुआ है ? अपने उत्तर का आलोचनात्मक विश्लेषण, अपवादों व निर्णयज विधि की सहायता से कीजिए ।

"The Right to Information Act, 2005 was enacted in order to promote transparency and accountability in the working of every public authority." How far has this goal been achieved by the Right to Information Act, 2005 in the last ten years ? Critically analyse your answer with the support of exceptions and case law. *15*

(b) "यद्यपि मीडिया विचारण (ट्रायल) के लिए कोई कानून नहीं है, तथापि, मूल अधिकारों के अधीन वाक्-स्वातंत्र्य और अभिव्यक्ति-स्वातंत्र्य में मीडिया को साक्ष्य पर आधारित अपने विचार प्रकट करने की स्वतन्त्रता है । इस विचारण का न्यायालय के समक्ष कोई प्राधिकार नहीं होता है ।" इस कथन का निर्णयज विधि सहित आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

"Though there is no law for media trial, however, in freedom of expression and speech under fundamental rights, media has the freedom to express its views based on evidence. This trial has no authority before the court of law." Critically examine the statement with case law. *15*

(c) "जब वादी की जानकारी में विशेष पहचान का व्यक्ति अस्तित्व में हो और वादी केवल उसी व्यक्ति से व्यवहार करना चाहता हो, केवल तभी पहचान की त्रुटि हो सकती है । यदि धोखेबाज़ द्वारा ग्रहण किया गया नाम काल्पनिक है, तो पहचान की कोई त्रुटि नहीं होगी ।" इस कथन का अग्र निर्णयज विधि के साथ परीक्षण कीजिए ।

"There can be a mistake of identity only when a person bearing a particular identity exists within the knowledge of the plaintiff, and the plaintiff intends to deal with him only. If the name assumed by the swindler is fictitious, there will be no mistake of identity." Examine the statement with leading case law. *20*

Q7. (a) माध्यस्थम् और सुलह अधिनियम, 1996 में माध्यस्थम् और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 के द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण संशोधनों पर प्रकाश डालिए ।

Highlight the important amendments made in the Arbitration and Conciliation Act, 1996 by the Arbitration and Conciliation (Amendment) Act, 2015. *15*

(b) "अभिकर्ता के प्राधिकार का समापन (प्रतिसंहरण) मालिक द्वारा कुछ नियमों के अन्तर्गत किया जा सकता है ।" अभिकर्ता के संरक्षण के प्रकाश में इन नियमों का परीक्षण कीजिए ।

"The revocation of agent's authority can be made by the principal subject to certain rules." Examine these rules in the light of protection to agent. *15*

(c) "अप्रदत्त विक्रेता के अधिकार पक्षकारों के बीच अभिव्यक्त या विवक्षित करार पर आधारित नहीं होते हैं । वे विधि की विवक्षा के द्वारा उत्पन्न होते हैं ।" सविस्तार स्पष्ट कीजिए ।

"The rights of unpaid seller do not depend upon any agreement, express or implied, between the parties. They arise by implication of law." Elucidate. *20*

Q8. (a) "संविदा भंग के लिए नुक़सानी की अदायगी का उद्देश्य पीड़ित पक्ष को उसी स्थिति में लाना है, जिसमें उसे जहाँ तक धन द्वारा किया जा सकता है, जैसे कि उसे हानि नहीं हुई हो ।" उपर्युक्त कथन के प्रकाश में, न्यायालय कौन-कौन सी विभिन्न प्रकार की नुक़सानियाँ अधिनिर्णीत कर सकता है ? साथ ही नुक़सानी निर्धारण से संबंधित नियमों की भी व्याख्या कीजिए ।

"The object of awarding damages for a breach of contract is to put the injured party in the same position, so far as money can do it, as if he had not been injured." In the light of the above statement, explain the various kinds of damages that the court can award. Also explain the rules relating to assessment of damages. *20*

(b) सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 के द्वारा 2008 में संशोधित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के प्रमुख अभिलक्षणों को स्पष्ट कीजिए और अपने विचार भी व्यक्त कीजिए ।

Explain the salient features and your views on the Information Technology Act, 2000 as amended in 2008 by the Information Technology (Amendment) Act, 2008. *15*

(c) "लोक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991 का उद्देश्य ख़तरनाक (परिसंकटमय) उद्योगों में हादसों के पीड़ितों को मुआवज़ा लेने के किसी अन्य अधिकार के अलावा राहत प्रदान करना है ।" निर्णयज विधि के साथ स्पष्ट कीजिए ।

"The object of Public Liability Insurance Act, 1991 is to provide relief to the victims of accidents in hazardous industries in addition to any other right to claim compensation." Explain with case law. *15*

विधि (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे | अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दें।

LAW (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। विधिक प्रावधानों व न्यायिक निर्णयों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answer with legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) ''विधि इस बात को मान्यता प्रदान करती है कि 'भूल' का सद्भावपूर्वक होना आवश्यक है।'' इस पृष्ठभूमि में दण्ड संहिता के सामान्य अपवादों के अधीन 'भूल' की प्रतिरक्षा को समझाइए।

"Law recognizes that 'mistake' must be in good faith." In this backdrop, explain the defence of 'mistake' contained under General Exceptions of the Penal Code.

(b) सभी लूटों में या तो चोरी होती है या उद्दापन। व्याख्या कीजिए।

In all robbery, there is either theft or extortion. Explain.

(c) ''सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 का उद्देश्य अस्पृश्यता का अन्त करना है।'' विवेचना कीजिए।

"The object of the Protection of Civil Rights Act, 1955 is to abolish untouchability." Discuss.

(d) ''कहा जाता है कि अपकृत्य की विधि का विकास 'जहाँ अधिकार है, वहाँ उपचार भी है' के सूत्र से हुआ है।'' इस कथन पर चर्चा कीजिए।

"Law of torts is said to be a development of the maxim 'Ubi jus ibi remedium'." Discuss the statement.

(e) अपकृत्य के दायित्व के बचाव के लिए 'आवश्यकता' को स्पष्ट कीजिए और इसके साथ आवश्यकता के वर्गों का भी उल्लेख कीजिए।

Explain 'necessity' as a defence for the liability of tort and also mention the classes of necessity.

2. *(a)* ''भारतीय दण्ड संहिता में धारा 34 उन मामलों को निपटाने के लिए सम्मिलित की गई है, जिनमें आपराधिक कार्य में प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा लिए गए भाग का परिशुद्धतापूर्वक प्रभेद करना अत्यन्त कठिन होता है।''

इस धारा के तर्काधार का परीक्षण करते हुए विनिर्णीत वादों की सहायता से उत्तर का समर्थन कीजिए।

"Section 34 is incorporated in the Indian Penal Code to deal with the cases where it is very difficult to distinguish precisely the part taken by each individual in criminal act."

While examining the rationality of this Section, support the answer with the help of decided cases. 15

(b) दण्ड विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013 के माध्यम से किसी स्त्री की लज्जा-भंग करने के उन विभिन्न प्रकारों पर चर्चा कीजिए, जिनको भारतीय दण्ड संहिता में दण्डनीय बनाया गया है।

Discuss the different forms to outrage the modesty of a woman which have been made punishable in the Indian Penal Code through the Criminal Law (Amendment) Act, 2013. 15

(c) कब अपकृत्य की विधि के अधीन युक्तियुक्त सावधानी बरतने पर भी कोई व्यक्ति उपेक्षा के अपकृत्य के लिए जिम्मेदार होता है? चर्चा कीजिए।
When, under the law of torts even using reasonable care, is a person liable for the tort of negligence? Discuss. 20

3. (a) ''आपराधिक मानव-वध और हत्या के बीच अत्यन्त सूक्ष्म किन्तु बारीक और दुर्बोध विभेद है। यह अन्तर अनुवर्ती मृत्यु की सम्भाविता की केवल विभिन्न कोटियों में निहित है।'' इस कथन पर चर्चा कीजिए और निर्णीत मामलों का उल्लेख कीजिए।
"There is a very thin but fine and subtle distinction between culpable homicide and murder. The difference lies merely in the different degrees of probability of death ensuing." Discuss the statement and refer to decided cases. 20

(b) कब मालिक अपने सेवक के द्वारा किए गए अपकृत्यों के लिए उत्तरदायी नहीं होता है? व्याख्या कीजिए।
When is principal not liable for the torts committed by his servant? Discuss. 15

(c) मानहानि के अपकृत्य की प्रतिरक्षाओं का उल्लेख कीजिए तथा इस पर भी चर्चा कीजिए कि क्या भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अधीन मानहानि के अपराध के अपवादों को प्रतिवादी के द्वारा अतिरिक्त आधारों के रूप में माँगा जा सकता है।
Mention the defences of tort of defamation and also discuss whether exceptions given under the Indian Penal Code, 1860 for the offence of defamation may be claimed as additional grounds by the defendant. 15

4. (a) ''उपभोक्ता संरक्षण परिषदें भी उपभोक्ताओं के संरक्षण में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।'' इस कथन का परीक्षण कीजिए तथा केन्द्रीय, राजकीय व जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषदों के उद्देश्यों, गठन तथा प्रकार्यों को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।
"Consumer Protection Councils also play a very important role in consumer protection." Examine the statement and elaborate the objects, composition and functions of the Central, State and District Consumer Protection Councils. 20

(b) ''आपराधिक प्रयत्न गठित करने के लिए कारित कार्य का आशयित परिणाम के सन्निकट होना आवश्यक होता है।'' निर्णीत वाद-विधि की सहायता से इस सम्प्रेक्षण को समझाइए।
"In order to constitute criminal attempt, the act caused must be proximate to the intended result." Explain the observation with the help of decided case law. 15

(c) 'दायित्व नहीं' की संकल्पना को समझाते हुए उन भारतीय अधिनियमों का उल्लेख कीजिए, जिनमें इस संकल्पना को समाहित किया गया है।
Explaining the concept of 'no liability', mention the Indian Acts in which this concept has been incorporated. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। उपयुक्त विधिक उपबन्धों और न्यायिक निर्णयों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answer with relevant legal provisions and decided cases : 10×5=50

(a) ''अवयस्कता को केवल ढाल के रूप में ही प्रयोग किया जा सकता है, तलवार के रूप में नहीं।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए तथा उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए, जिनमें अवयस्क संविदा की विधि के अधीन दायी होता है।

"Minority can only be claimed as a shield but not as a sword." Explain the statement and mention the situations when a minor is liable under the law of contract.

(b) ''लोक नीति एक 'बेलगाम घोड़े' की तरह होती है, जिसे सुगमता से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए तथा उन करारों का उल्लेख कीजिए जो लोक नीति के विरुद्ध होते हैं।

"Public policy is like an 'unruly horse' which cannot be controlled easily." Explain the statement and mention the agreements which are against public policy.

(c) ''मार्गस्थ माल के रोक का अधिकार तब आरम्भ होता है जब धारणाधिकार समाप्त हो जाता है।'' चर्चा कीजिए।

"Right to stoppage of goods in transit starts when right to lien ends." Discuss.

(d) कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के अधीन कॉपीराइट अतिलंघन के लिए कार्रवाई में प्रतिवादी द्वारा अभिवचन किए जा सकने वाले विभिन्न प्रतिवादों पर चर्चा कीजिए।

Discuss the various defences which can be pleaded by the defendant in an action for infringement of copyright under the Copyright Act, 1957.

(e) ट्रेडमार्क का अतिलंघन कब होता है? ट्रेडमार्क के अतिलंघन की परमावश्यक बातों पर चर्चा कीजिए। रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क का अतिलंघन न बनने वाले कार्यों को लिखिए।

When does the infringement of trademark occur? Discuss the essentials of infringement of trademark. Write down the acts not constituting infringement of registered trademark.

6. *(a)* राष्ट्रीय हरित अधिकरण के गठन, क्षेत्राधिकार, शक्तियों व प्राधिकार की चर्चा कीजिए। यह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में कितना सफल हुआ है? हाल के निर्णयों की सहायता से समझाइए।

Discuss the constitution, jurisdiction, powers and authority of National Green Tribunal. How far has it been successful in achieving its objectives? Explain with the help of recent cases. 20

(b) ''प्रस्ताव का प्रतिसंहरण प्रस्ताव की मृत्यु होता है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए और प्रतिसंहरण के तरीकों का उल्लेख कीजिए।

"Revocation of proposal is death of the proposal." Explain the statement and mention the manners of revocation. 15

(c) 'धारक' और 'सम्यक्-अनुक्रम-धारक' की व्याख्या कीजिए तथा दोनों के बीच विभेद कीजिए। उनके अधिकारों पर भी चर्चा कीजिए।
Explain 'holder' and 'holder in due course', and distinguish between the two. Also discuss their rights. 15

7. (a) ''भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 74 ने कॉमन लॉ के नुकसानी के अधिनिर्णय के सिद्धान्त की सर्वाधिक दुःखदायी गाँठ को काट दिया है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।
"Section 74 of the Indian Contract Act, 1872 has cut down the most troublesome knot of Common Law doctrine of awarding damages." Discuss the statement. 20

(b) ''भारत में पर्यावरण के संरक्षण में लोकहित मुकदमेबाजी ने अत्यन्त निर्णायक भूमिका अदा की है।'' निर्णीत वादों की सहायता से उदाहरण देते हुए सविस्तार समझाइए।
"Public interest litigation has played a very crucial role in protection of environment in India." Elucidate and illustrate with the help of decided cases. 15

(c) ''शासन की पारदर्शिता के होते हुए भी सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत कुछ विशेष सूचनाओं को प्रकटन से छूट दे दी गई है।'' सूचना के प्रकटन पर तत्सम्बन्धी प्रावधानों और परिसीमाओं की चर्चा कीजिए।
"Notwithstanding transparency of governance, certain informations have been exempted from disclosure under the Right to Information Act, 2005." Discuss the relevant provisions and limitations on disclosure of information. 15

8. (a) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अधीन पक्षकारों के द्वारा कब समझा जाता है कि संविदा किया जा चुका है? चर्चा कीजिए।
Under the Indian Contract Act, 1872, when is a contract deemed to be entered into by the parties? Discuss. 20

(b) ''पेटेन्ट प्राप्त करने के लिए अन्वेषण को कुछ विशेष शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं।'' इस कथन का समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिए।
"An invention has to satisfy certain conditions in order to get a patent." Examine critically the statement. 15

(c) 'अधिष्ठायी स्थिति के दुरुपयोग' के सन्दर्भ में प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (एम० आर० टी० पी० ऐक्ट, 1969) पर कितना सुधारात्मक है? चर्चा कीजिए तथा तत्सम्बन्धी कानूनी प्रावधानों को समझाइए।
How far is the Competition Act, 2002 an improvement over the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (MRTP Act, 1969) with respect to 'abuse of dominant position'? Discuss and explain the relevant statutory provisions. 15

★★★

CS (MAIN) EXAM:2018

EGT–D–LAW

विधि (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे | अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के दें।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दें।

LAW (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। विधिक प्रावधानों व न्यायिक निर्णयों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answer with legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) "क्या लैटिन भाषा की सूक्ति 'एक्टस नॉन फैसिट रियम निसी मेन्स सिट रिया' सामान्यतः और एक स्वतन्त्र सिद्धान्त के रूप में 'मेन्स रिया' का कॉमन लॉ सिद्धान्त विशेष रूप से भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के निर्वचन में प्रासंगिक है?"

उपर्युक्त को विधिवेत्ताओं के मतों और न्यायिक निर्णयों के आलोक में स्पष्ट कीजिए।

"Whether the maxim 'actus non facit reum nisi mens sit rea' in general and the Common Law doctrine of 'mens rea' as an independent doctrine in particular are relevant in the interpretation of provisions of the Indian Penal Code?"

Explain the above in the light of juristic opinions and judicial pronouncements.

(b) नुकसानी की दूरस्थता से सम्बन्धित विधि के विकास का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। नुकसानी की दूरस्थता के विनिश्चयन हेतु आप किस परीक्षण को वरीयता देते हैं और क्यों? अपने उत्तर के लिए कारण प्रस्तुत कीजिए।

Critically examine the development of the law relating to remoteness of damages. Which test do you prefer for deciding the question of remoteness of damages and why? Give reasons for your answer.

(c) अरुणा शानबाग के मामले में दी गई स्थिर राय को और अनुकम्पा-मृत्यु के सामाजिक-विधिक, चिकित्सकीय और संवैधानिक महत्व को ध्यान में रखते हुए क्या आप उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ के कॉमन कॉज (एक पंजीकृत संगठन) *बनाम* भारत संघ (2018) में व्यक्त विचार को निश्चायक मानते हैं? समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

In view of the consistent opinion rendered in Aruna Shanbaug case and also considering the socio-legal, medical and constitutional significance of Euthanasia, do you consider that the view expressed by the Constitutional Bench of Supreme Court in Common Cause (A Regd. Society) *vs.* Union of India (2018) is conclusive? Comment critically.

(d) "अपकृत्य विधि का सर्वोपरि कार्य हानियों के समंजन तथा उनकी संभावित कीमत के नियतन में महत्त्वपूर्ण विनियामक भूमिका प्रदान करना है और कल्याणकारी राज्य के अभ्युदय तक अपकृत्य विधि ही पीड़ित व्यक्ति की व्यथा का उपशमन करने का एकमात्र स्रोत था।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में, अपकृत्य विधि की प्रकृति और विस्तार की विवेचना कीजिए और अग्र वाद-विधि की सहायता से अपने उत्तर की सम्पुष्टि कीजिए। साथ ही भारत में स्थिति का विवेचन कीजिए।

"The paramount task of the law of torts is to pay an important regulatory role in the adjustment of losses and eventuate allocation of their cost and that until the emergence of the welfare state, the law of torts provided the only source for alternating the plight of the injured."

In the light of the above statement, discuss the nature and scope of law of torts and substantiate your answer with leading case law. Also discuss the position in India.

(e) "एक हमलावर की मृत्यु कारित करने की सीमा तक प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार अनुमान और निराधार कल्पना पर आधारित नहीं हो सकता है। अभियुक्त को निश्चित ही वास्तविक भय के अन्तर्गत होना चाहिए, कि मृत्यु अथवा गम्भीर उपहति हमले का परिणाम होगा, यदि वह अपनी प्रतिरक्षा नहीं करेगा। आशंका की विद्यमानता को अभिनिश्चित करना सदैव एक तथ्य का प्रश्न रहता है।"

उपर्युक्त प्रतिपादन को विद्यमान विधिक उपबन्धों और न्यायिक निर्णयों के आलोक में स्पष्ट कीजिए।

"Right of private defence to the extent of causing death of an assailant cannot be based on the surmises and speculation. The accused must be under a bonafide fear of death or grievous hurt would otherwise be the consequence of the assault, if he does not defend. To determine the existence of apprehension is always a question of fact."

Explain the above proposition in the light of existing legal provisions and judicial decisions.

2. (a) "भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 (4) उन मामलों में लागू होगी, जहाँ अपराधी का ज्ञान व्यक्ति की मृत्यु की संभाव्यता की व्यावहारिक निश्चितता के निकट होगा।"

उपर्युक्त कथन को सोदाहरण समझाइए।

"Section 300 (4) of the Indian Penal Code will be applicable in cases where the knowledge of the offender as to the probability of death of a person approximates to practical certainty."

Illustrate the above statement. 20

(b) 'सहमति के कार्य में क्षति नहीं होती' (लैटिन भाषा की सूक्ति 'वोलेंटी नॉन फिट इंजूरिया') की व्याख्या कीजिए। क्या जोखिम का ज्ञान तथा जोखिम उठाने की सहमति एक ही बात नहीं है? अपने उत्तर को न्यायिक प्रतिपादनों से समर्थित कीजिए।

Explain the maxim 'volenti non fit injuria'. Is the knowledge of risk not the same thing as consent to suffer the risk? Support your answer with judicial pronouncement. 15

(c) पीड़ित (*V*) के प्रति रेप कारित करने के सामान्य आशय से व्यक्तियों के एक समूह ने मिलकर क्रिया करने का निर्णय किया। समूह के एक से अधिक व्यक्तियों ने, सामान्य आशय के अग्रसरण में, पूर्व-नियोजित योजना के अनुसार रेप किया। समूह की एक महिला सदस्य ने समूह के कई व्यक्तियों को रेप करना सुगम बनाया।

ऐसी परिस्थिति में दायित्व का मूल तत्त्व सामान्य आशय का अस्तित्व है। समूह के निम्नलिखित सदस्यों के आपराधिक दायित्व का विनिश्चय कीजिए :

(i) जो योजना के सदस्य तो थे, पर जिन्होंने रेप में सहभाग नहीं किया था

(ii) जिन्होंने रेप किया था

(iii) अकेली महिला सदस्य, जिसने रेप को आसान करने में पूरी सुविधा दी थी

A group of persons decided to act in concert with common intention to commit rape on victim (*V*). More than one person from the group, in furtherance of common intention, acted in concert in the commission of rape as per pre-arranged plan. One lady member of the group facilitated the commission of such rape by many persons of the group.

The essence of liability in such situation being the existence of common intention. Decide the criminal liability of the following members of the group :

(i) Who were members of the plan but did not participate in the act

(ii) Who committed rape

(iii) The sole lady member who lend full facilities for the commission of rape 15

3. (a) छः व्यक्तियों ने गाँव के एक बैंक में डकैती करने का निर्णय लिया। वे बैंक-डकैती के लिए गए, लेकिन पुलिस द्वारा रोके गए। उनमें से सभी भागने लगे। पुलिस द्वारा पीछा करने पर उनमें से एक डकैत (*X*) ने श्रीमान् *Y* को, जो उसके रास्ते में बाधा बनने का प्रयास कर रहा था, मार डाला। भारतीय दण्ड संहिता की धाराओं 391 और 396 के प्रकाश में उनमें से एक के द्वारा की गई हत्या के लिए दायित्व विनिश्चय कीजिए।

Six people decided to carry out dacoity of a bank in a village. They went to the bank to commit it, but were intercepted by police. All of them ran away. While the police was chasing them, one of the dacoits (*X*) killed Mr. *Y*, who tried to obstruct his way. Decide liability for the murder committed by one of them in view of Sections 391 and 396 of the Indian Penal Code. 15

(b) "एक स्वामी अपने सेवक द्वारा नियोजन के दौरान किए गए सभी कार्यों के लिए उत्तरदायी होता है।" इसे सामान्य रूप में और विशेष कर भारतीय परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिए।

"A master is liable for all acts of his servant done during the course of employment." Explain it in general and from Indian perspective in particular. 15

(c) लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार एक गम्भीर समस्या बन चुकी है। व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार राष्ट्र निर्माण के कार्यों की प्रगति में बाधक होता है और प्रत्येक व्यक्ति को इसको भुगतना पड़ता है। लोक सेवक की दक्षता तभी बढ़ सकेगी, जब लोक सेवक अपने दायित्व की पूर्ति सत्यता और ईमानदारी से करे। अतः ऐसे मामलों में दण्ड में नरमी बरतने का कोई भी तर्क स्वीकार करना कठिन होता है (म० प्र० राज्य *बनाम* शम्भू दयाल नागर (2006) 8 SCC 693)। टिप्पणी कीजिए।

Corruption by public servants has become gigantic problem. Large-scale corruption retards the nation-building activities and everyone has to suffer on their count. The efficiency of public servant would improve only when the public servant does his duty truthfully and honestly. Therefore, in such cases, it is difficult to accept any plea of leniency in sentence (State of MP *vs.* Shambhu Dayal Nagar (2006) 8 SCC 693). Comment. 20

4. (a) "भारत में अभिवाक् सौदेबाजी लघुमात्र है, क्योंकि यह केवल दण्ड के मामलों में प्रयोज्य है न कि आरोप के। समान रूप से यह न्यायालय की देख-रेख में होने वाली एक प्रक्रिया है सिवाय इसके कि इसमें एक उपखण्ड पीड़ित को प्रतिकर दिलाता है।" भारतीय आपराधिक न्याय व्यवस्था में ऐसे उपबन्ध को धारित किए रहने का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। उन सुधारों को भी सुझाइए, यदि कोई है, जिन्हें आप आवश्यक समझते हैं।

"Plea bargaining in India is the truncated one, as it is applicable to sentence only and not to the charge. Equally it is a court-monitored procedure, except that it provides a clause related to compensation to the victim." Critically analyse the retention of such provision in the Indian Criminal Justice dispensation. Also suggest reforms, if any, you understand are necessary. 15

(b) "एम० सी० मेहता *बनाम* भारत संघ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पूर्ण दायित्व का नियम प्रतिपादित किया जा चुका है।" यह कठोर दायित्व के नियम पर किस सीमा तक सुधार है? टिप्पणी कीजिए।

"Rule of absolute liability has been expounded by the apex court in M. C. Mehta's *vs.* Union of India." How far is it a reform over the rule of strict liability? Comment. 15

(c) "भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304-A के अन्तर्गत, एक चिकित्सक के आपराधिक दायित्व के निर्धारण के लिए यह सिद्ध करना आवश्यक है कि चिकित्सक के विरुद्ध की गयी शिकायत ऐसे उतावलेपन या उपेक्षा की उच्च डिग्री दर्शित करे जिससे उसकी मनोदशा ज्ञात हो, जिसे रोगी के प्रति उसकी पूर्ण उदासीनता के लिए दर्शाया जा सके। ऐसी गम्भीर उपेक्षा अकेले ही दण्डनीय है।"

अद्यतन न्यायिक प्रतिपादनों के आलोक में, उपर्युक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।

"For fixing criminal liability of a doctor under Section 304-A of the Indian Penal Code, it is necessary to prove that the act complained against the doctor must show such rashness or negligence of such higher degree as to indicate mental state which can be described as totally apathetic towards patient. Such gross negligence alone is punishable."

In the light of the latest judicial pronouncement, explain the above statement. 20

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। उपयुक्त विधिक उपबन्धों और निर्णीत वादों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answer with relevant legal provisions and decided cases : 10×5=50

(a) यदि कतिपय वस्तुओं (सामानों) को या तो शो विन्डो या दुकान के भीतर प्रदर्शित किया जाए और उन वस्तुओं के साथ कीमत चिप्पियाँ भी हों, तो विवेचना कीजिए कि क्या यह प्रदर्शन बेचने की पेशकश है। निर्णीत वादों की सहायता से पेशकश और पेशकश का आमन्त्रण के मध्य भेद स्पष्ट कीजिए।

If certain goods are displayed either in a show window or inside the shop and such goods bear price tags, discuss whether such display amounts to an offer to sell. Explain the distinction between offer and invitation to offer with the help of decided cases.

(b) अनुचित प्रभाव के आधार पर एक संविदा के परिहार करने के कार्य में वादी को दो बिन्दुओं को सिद्ध करना होता है। उन बिन्दुओं और विभिन्न प्रकार के सम्बन्धों, जो अनुचित प्रभाव की उपधारणा की ओर ले जाते हैं जिससे स्वतन्त्र सहमति दूषित होती है, की व्याख्या कीजिए।

In an action to avoid a contract on the ground of undue influence, the plaintiff has to prove two points. Explain those points and different kinds of relations leading to presumption of undue influence which vitiates free consent.

(c) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 28 विधिक कार्यवाहियों के अवरोधार्थ करारों को शून्य बनाती है। क्या इस नियम के कोई अपवाद हैं? सुसंगत प्रावधानों और निर्णीत वादों की सहायता से विवेचना कीजिए।

Section 28 of the Indian Contract Act, 1872 makes agreements in restraint of legal proceedings void. Are there any exceptions to this rule? Discuss with the help of relevant provisions and decided cases.

(d) भारत में लोकहित मुकदमेबाज़ी (पी० आइ० एल०) कुछ समय से न केवल जिनका प्रतिनिधित्व नहीं हो सकता था और जो कमजोर थे, उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रयुक्त की गई है बल्कि अन्यों के हितों को भी आगे बढ़ाने के लिए की गई है। भारत में लोकहित मुकदमेबाज़ी की प्रयोज्यता, उपयोग और दुरुपयोग के सम्बन्ध में नवीन प्रवृत्तियों पर टिप्पणी कीजिए।

Public Interest Litigation (PIL) in India, of late, has been used not only to represent the unrepresented and weak but also to advance the interest of others. Comment on the recent trends relating to the application, use and misuse of PIL in India.

(e) प्रौद्योगिकीय संरक्षण उपायों (टी० पी० एम०) के प्रस्तुतीकरण और मान्यता के बावजूद, अंकीय कॉपीराइट निरन्तर असुरक्षित और बिना गारण्टी के बना हुआ है। भारत में अंकीय कॉपीराइट के संरक्षण पर कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के 2012 के संशोधनों के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

In spite of introduction and recognition of Technological Protection Measures (TPMs), the digital copyright continues to be unsafe and unsecured. Explain the impact of the 2012 Amendments to the Copyright Act, 1957 on the protection of digital copyright in India.

6. (a) "यह भली प्रकार सुस्थापित है कि यदि और जब नैराश्य होगा, संविदा स्वतः भंग हो जाएगी ...। यह दोनों में से किसी पक्षकार की पसंद या चयन पर निर्भर नहीं करता है। यह संविदा के पालन की संभावना के वस्तुतः घटित होने के प्रभाव पर निर्भर करता है।" संविदा के नैराश्य के प्रभावों की विवेचना कीजिए।

"It is well-settled that if and when there is frustration, the dissolution of the contract occurs automatically ... . It does not depend on the choice or election of either party. It depends on the effect of what has actually happened on the possibility of performing the contract." Discuss the effects of frustration of contract. 20

(b) "यदि कोई व्यक्ति मिथ्या व्यपदेशन करता है कि वह किसी अन्य का एजेंट है, मालिक ऐसे कार्य का अनुसमर्थन कर सकेगा यद्यपि कि वह कार्य बिना उसके प्राधिकार के किया गया था।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में, विधिमान्य अनुसमर्थन के आवश्यक तत्त्वों और उसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

"If a person falsely represents that he is an agent of another, the principal may ratify the act even though the same was done without his authority."

Discuss, in the light of the above statement, the essentials of valid ratification and its effect. 15

(c) 'संपोषणीय विकास' पारिस्थितिकी और विकास के मध्य एक संतुलनकारी संकल्पना के रूप में स्वीकार किया गया है। भारत में पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी कानूनों के तहत इस सिद्धान्त की मान्यता और अनुप्रयोग की विवेचना कीजिए।

'Sustainable development' has been accepted as a balancing concept between ecology and development. Discuss the recognition and application of this principle under the laws relating to environmental protection in India. 15

7. (a) यदि सरकार की गुप्तचर एजेंसी का एक अधिकारी गुप्त सूचनाएँ देने के लिए प्रतिफल के रूप में एक करार के आधार पर एक चेक प्राप्त करता है, तो क्या परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत ऐसे चेक को प्रवर्तनीय कराया जा सकता है? अधिनियम की धाराओं 138 और 139 के अधीन चेककर्ता (आदेशक) के विधितः प्रवर्तनीय दायित्व के क्षेत्र-विस्तार की विवेचना कीजिए।

If an officer with an intelligence agency of the Government receives a cheque for consideration on the basis of an agreement to pass on intelligence inputs, can such cheque be enforceable under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881? Discuss the scope of the legally enforceable liability of the drawer under Sections 138 and 139 of the Act. 20

(b) "ई-गवर्नेंस शासन के एक ऐसे नये स्वरूप को प्रकट करती है जिसके लिए प्रौद्योगिकीय उन्नति के साथ कदम मिलाकर चलने वाली गत्यात्मक विधियों की आवश्यकता होती है।" भारत में प्रभावी ई-गवर्नेंस को सुनिश्चित करने में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की उपयुक्तता पर टिप्पणी कीजिए।

"E-governance represents a new form of governance which needs dynamic laws, keeping pace with the technological advancement." Comment on the adequacy of the Information Technology Act, 2000 in ensuring effective E-governance in India. 15

(c) यद्यपि सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 89 सिविल न्यायालय में प्रस्तुत सिविल विवादों के न्यायालय से बाहर निपटारे की व्यवस्था देती है, तथापि वैकल्पिक विवाद समाधान (ए० डी० आर०) के माध्यम से ऐसे निपटारे का प्रभाव अति कमजोर प्रतीत होता है। ए० डी० आर० पद्धतियों के माध्यम से विवादों के समाधान की असफलता के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

Even though Section 89 of the Code of Civil Procedure, 1908 provides for out of court settlement of civil disputes filed in a civil court, the impact of such settlement through Alternative Dispute Resolution (ADR) appears to be poor. Analyse the reasons for failure to settle the disputes through ADR modes. 15

8. (a) मानक रूप संविदा के कमजोर पक्षकार का बचाव करने में न्यायालयों ने बड़ी कठिनाई पाई है, और इसलिए ऐसी संविदाओं में अन्तर्निहित शोषण की संभावना के विरुद्ध ऐसे कमजोर पक्षकार के हित की संरक्षा के लिए न्यायालयों ने कुछ तरीके विकसित किए हैं। मानक रूप संविदा में कमजोर पक्षकार को उपलब्ध संरक्षण के तरीकों को स्पष्ट कीजिए।

The courts have found it very difficult to come to the rescue of the weaker party to a standard form contract, and thus evolved certain modes to protect such weaker party against the possibility of exploitation inherent in such contracts. Explain the modes of protection available to weaker party in a standard form contract. 20

(b) आपराधिक मामलों में मीडिया द्वारा विचारण, कुछ मामलों में न्यायालय का अवमान होने के अलावा, स्वतन्त्र और निष्पक्ष विचारण की संकल्पना का तिरस्कार प्रतीत होता है। मीडिया द्वारा विचार का मोटे तौर पर आपराधिक न्याय के प्रशासन पर और विशेष कर स्टेकहोल्डरों पर प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

Trial by media appears to be an affront to the concept of free and fair trial in criminal cases, apart from being a kind of contempt of court in certain cases. Analyse the impact of trial by media on the administration of criminal justice in general and on the stakeholders in particular. 15

(c) "राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने कहा था कि वास्तविक स्वतन्त्रता का अभिप्राय कुछ के द्वारा सत्ता प्राप्ति नहीं है, बल्कि उसका अभिप्राय ऐसी सत्ता के दुरुपयोग पर प्रश्न चिह्न लगाने की क्षमता को प्राप्त करना है।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में, लोक प्राधिकारियों के दायित्वों का परीक्षण कीजिए और व्याख्या कीजिए कि क्या पिछले लगभग सात दशकों के दौरान उन्होंने इसका प्रभावशाली रूप से अनुपालन किया है।

"Mahatma Gandhi, the Father of Nation, observed that the meaning of real freedom is not to acquire authority by few but to acquire the capacity to question the abuse of such authority."

Examine, in the light of the above statement, the obligations of the public authorities and explain whether they have discharged it effectively during the last about seven decades. 15

★★★

CS (Main) Exam,2019

विधि (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दें।

LAW (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। विधिक प्रावधानों व न्यायिक निर्णयों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answer with legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अन्तर्गत आपराधिक मनःस्थिति के बिना भी कतिपय कृत्य अपराध हैं। ऐसे अपराधों को गिनाइए।

Even without mens rea there are certain acts, which are offences under the Indian Penal Code, 1860. Enumerate such offences.

(b) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अन्तर्गत प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार केवल निर्दोष व्यक्ति को ही प्राप्त है। यह प्रतिकार का अधिकार नहीं है। विश्लेषण कीजिए।

Right to private defence under the Indian Penal Code, 1860 is available only to an innocent person. It is not a right to retribution. Analyze.

(c) ''मेरे द्वारा मेरी इच्छा के विरुद्ध किया गया कार्य, मेरा कार्य नहीं है।'' भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के विधिक उपबन्धों के प्रकाश में परीक्षण कीजिए।

"Act done by me against my will, is not my act." Examine in the light of legal provisions of the Indian Penal Code, 1860.

(d) ''अपकृत्य की विधि में 'कबूतरखाने के सिद्धान्त' की अब कोई न्यायोचितता नहीं है।'' समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

" 'Pigeonhole theory' in the law of tort holds no justification now." Critically examine.

(e) ''ई-वाणिज्य ने भारत में उपभोक्ता संरक्षण को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

"E-commerce has adversely affected the consumer protection in India." Elucidate the statement.

2. *(a)* ''वादी की सम्पत्ति में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप, वादी के द्वारा उस सम्पत्ति का आनंद उठाने में व्यक्तिगत बेआरामी उत्पन्न कर सकता है।'' विनिश्चित मामलों की सहायता से इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"Any interference with a plaintiff's property may cause personal discomfort to the plaintiff in enjoyment of the property." Critically examine the statement with the help of decided cases. 15

(b) ''भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 498 A की आत्मा को हाल ही के न्यायालयों के न्यायिक निर्णयों ने परिवर्तित कर दिया है।'' न्यायिक निर्णयों की सहायता से इस कथन की व्याख्या कीजिए।

"Recent judicial decisions of the courts have changed the spirit of Section 498 A of the Indian Penal Code, 1860." Explain the statement with the help of judicial pronouncements. 15

(c) ''प्रत्येक आपराधिक मानव-वध और हत्या आवश्यक रूप से उपहति है, लेकिन प्रत्येक उपहति आवश्यक रूप से आपराधिक मानव-वध और हत्या नहीं है।'' समझाइए।

"Every culpable homicide and murder is necessarily a hurt, but every hurt is not necessarily a culpable homicide and murder." Elucidate. 20

3. (a) *A* के द्वारा *B* के बॉक्स को तोड़कर कुछ जवाहरात की चोरी करने का प्रयत्न किया जाता है, किन्तु बॉक्स को खोलकर वह पाता है कि उसमें जवाहरात नहीं है, लेकिन *A* उसी समय ₹ 100 का नोट बॉक्स में रख देता है, जिसको *A* ने *C* से चुराया था। निर्णय कीजिए कि *A* ने कौन-सा/से अपराध किया है/किए हैं।

A attempts to steal some jewels by breaking open a box belonging to *B* and finds, thereafter so opening the box, that there is no jewel in it, but *A* simultaneously puts ₹ 100 currency note in the box, which was already stolen by *A* from *C*. Decide as to what offence(s) is/are committed by *A*. 20

(b) अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियाँ (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की मूल आत्मा को, जिसे न्यायपालिका ने *काशीनाथ महाजन* के वाद में तनुकरण कर दिया था, हाल ही में विधायिका ने पुनर्स्थापित कर दिया है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

The basic spirit of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989, which was diluted by the judiciary in *Kashinath Mahajan's* case, has been restored by the legislature recently. Examine critically. 15

(c) ''जब वादी को नुकसान पहुँचाने वाली घटनाएँ एक ही समय की न होकर एक के बाद एक हों, तब कारणता का अभिनिश्चय एक समस्या होती है।'' अपकृत्य की विधि के अन्तर्गत निर्णीत वादों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

"Ascertainment of causation is a problem, when the events causing damage to plaintiff are not simultaneous but successive." Elaborate it with the help of decided cases under the law of tort. 15

4. (a) ''एक स्वर्णकार द्वारा महिला के कान में बाली पहनाने में इतनी सावधानी की आवश्यकता नहीं है, जितनी कि चिकित्सक द्वारा महिला के कान की शल्यचिकित्सा में आवश्यक है।'' अपकृत्य की विधि के अन्तर्गत सावधानी की कोटि सम्बन्धी विधि की व्याख्या कीजिए।

"A goldsmith putting earring to woman's ear does not require as much care as a surgeon performing surgery on the ear of woman." Elaborate the law relating to degree of care required under the law of tort. 20

(b) 'मिथ्या कारावास' के अपकृत्य घटित होने में केवल भौतिक सीमाएँ ही अत्यावश्यक नहीं हैं, अपितु इस सन्दर्भ में मनोवैज्ञानिक सीमाएँ भी काफी होती हैं। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Mere physical boundaries are not the essential requirement to constitute the tort of 'false imprisonment', but psychological boundaries too are enough in this regard. Critically examine. 15

(c) ''किसी महिला के विरुद्ध बोले गए शब्दों के द्वारा निर्लज्जता का लांछन लगाना विशेष नुकसानी के प्रमाण के बिना एक अनुयोज्य दोष है।'' अपकृत्य की विधि के अन्तर्गत परीक्षण कीजिए।

"Imputation of unchastity against a woman by spoken words is a wrong actionable without proof of special damage." Examine under the law of tort. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। उपयुक्त विधिक उपबन्धों व निर्णीत वादों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answer with relevant legal provisions and decided cases : 10×5=50

(a) ''संविदाओं की विधि करारों की सम्पूर्ण विधि नहीं है, और न ही यह दायित्वों की सम्पूर्ण विधि है, परन्तु यह दोनों के अधिकारों व दायित्वों से भी सम्बन्धित है।'' विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

"The law of contracts is not the whole law of agreements, nor it is the whole law of obligations, but it also deals with the rights and obligations of both." Elucidate.

(b) ''भागीदारी का विघटन, भागीदारी फर्म का विघटन होता है, परन्तु भागीदारी फर्म का विघटन, भागीदारी का विघटन नहीं होता है।'' विधिक प्रावधानों और वादों की सहायता से विशदीकरण कीजिए।

"The dissolution of partnership is the dissolution of a partnership firm, but the dissolution of a partnership firm is not the dissolution of partnership." Elucidate with the help of legal provisions and cases.

(c) ''लोकहित मुकदमेबाज़ी सभी बुराइयों की दवा नहीं है, यह न्यायालयों का वरदान है। फिर भी इसके दुरुपयोग को रोकना भी न्यायालय का कर्तव्य है।'' विशदीकरण कीजिए।

"Public interest litigation is not the pill of all ills, it is the boon of the courts. However it is also the duty of the court to prevent its misuse." Elucidate.

(d) ''अभिकरण (एजेंसी) की संविदा, सामान्य संविदा की भाँति प्रतिसंहरणीय है, परन्तु कभी-कभी इसका निराकरण करना असंभव होता है।'' निर्णीत वादों व सुसंगत प्रावधानों की सहायता से विश्लेषण कीजिए।

"Contract of agency is revocable like an ordinary contract, but sometimes it is impossible to repudiate it." Analyze with the help of decided cases and relevant provisions.

(e) ''नागरिकों के लिए सूचना के अधिकार की व्यावहारिक व्यवस्था भारत में सुशासन की कुंजी है, परन्तु इसकी मूल भावना के अनुरूप इसे लागू नहीं किया जा रहा है।'' *अंजली भारद्वाज* बनाम *भारत संघ*, फरवरी 2019 में भारत के उच्चतम न्यायालय के निर्णय के प्रकाश में इसका परीक्षण कीजिए।

"Pragmatic regime of right to information for citizens is the key to good governance in India, but it is not being implemented in its original spirit." Examine it in the light of decision of the Supreme Court of India in *Anjali Bhardwaj* vs. *Union of India*, February 2019.

6. *(a)* ''संविदा के उन्मोचन में संविदा का भंग शामिल होता है, किन्तु संविदा के भंग में आवश्यक रूप से संविदा का उन्मोचन शामिल नहीं होता।'' उपयुक्त दृष्टांतों के साथ इस कथन का परीक्षण कीजिए।

"Discharge of a contract includes breach of contract, but breach of a contract does not necessarily include discharge of contract." Examine the statement with suitable illustrations. 15

(b) ''राष्ट्रीय हरित अधिकरण, जिसकी स्थापना पर्यावरण की सुरक्षा और वनों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सम्बन्धित मामलों को त्वरित व प्रभावशाली ढंग से निस्तारण करने के लिए की गई थी, ने इस बारे में एक अहम भूमिका हाल ही में अदा की है।'' इस कथन का राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा सुनाए गए निर्णयों के सन्दर्भ में परीक्षण कीजिए।

"The National Green Tribunal, which was established for effective and expeditious disposal of cases relating to environmental protection and conservation of forests and other natural resources, has played a pivotal role in the recent past in this regard." Examine the statement with reference to pronouncements given by the National Green Tribunal. 15

(c) साइबर विधि के अन्तर्गत अधिकारिता को अभिनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के सुसंगत विधिक उपबन्धों की, भारतीय न्यायालयों द्वारा अनुप्रयुक्त विभिन्न परीक्षणों के साथ, व्याख्या कीजिए।

Ascertainment of jurisdiction is a big challenge under the cyber law. Elaborate the relevant legal provisions of the Information Technology Act along with various tests applied by the Indian courts. 20

7. (a) ''अनुचित संपन्नता वृद्धि का सिद्धान्त अप्रत्यक्षतः संविदा विधि में भी विद्यमान है।'' इसके विभिन्न आयामों की व्याख्या कीजिए।

"The principle of unjust enrichment finds place indirectly under the law of contract." Explain its various dimensions. 15

(b) ''जरूरतमन्द व्यक्तियों को न्याय प्रदान करने में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 में उपबन्धित वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र ने एक महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।'' विधिक प्रावधानों व वाद विधि की सहायता से व्याख्या कीजिए।

"Alternative dispute resolution mechanism as provided under the Legal Services Authorities Act, 1987 has played a pivotal role in dispensation of justice to the needy persons." Explain with the help of legal provisions and case law. 15

(c) ''विक्रय की संविदा के पक्षकार सम्पत्ति के हस्तांतरण से सम्बन्धित जोखिम को घटा या बढ़ा सकते हैं।'' माल विक्रय की विधि के अन्तर्गत इसके विभिन्न आयामों को विस्तारपूर्वक समझाइए।

"Parties to the contract of sale may reduce or enhance the risk relating to passing of property." Elucidate its various dimensions under the law of sale of goods. 20

8. (a) ''वर्तमान समय में ज्ञान की पहुँच के अधिकार तथा कॉपीराइट विधि के बीच एक टकराव विद्यमान है।'' कॉपीराइट विधि के अन्तर्गत, उचित व्यवहार के सिद्धान्त के प्रकाश में, इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

"In the present time, there is a conflict between the right to access to knowledge and the copyright law." Explain the statement in the light of doctrine of fair dealing under the copyright law. 15

(b) ''माध्यस्थम् के रूप में अन्तिमता के साथ सन्निकट न्याय, न्यायालयों में न्याय प्रशासन के बुनियादी सिद्धान्त के विरुद्ध है।'' भारत में वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली के अद्यतन विकासों के प्रकाश में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

"Approximate justice with finality by the way of arbitration is against the basic principle of administration of justice in the courts." Examine the statement in the light of latest developments of alternative dispute resolution system in India. 15

(c) ''प्रतिस्पर्धा नीति और विधि का बुनियादी प्रयोजन किसी अर्थव्यवस्था में संसाधनों के दक्ष नियतन को सुनिश्चित करने के एक साधन के रूप में, प्रतिस्पर्धा को बनाए रखना और उसकी प्रोन्नति करना है।'' भारत में नव आर्थिक परिदृश्य के प्रकाश में इस कथन को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

"The basic purpose of competition policy and the law is to preserve and promote competition as a means of ensuring efficient allocation of resources in an economy." Elucidate the statement in the light of new economic scenario in India. 20

★★★

CS (Main) Exam, 2020

URC–B–LAW

विधि (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

LAW (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। अपने उत्तर के समर्थन में प्रासंगिक कानूनी प्रावधान और न्यायिक घोषणाएँ दीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answers with relevant legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) यदि एक व्यक्ति, जिसने स्वैच्छिक तौर पर शराब का नशा किया है, इस तरह के नशे के प्रभाव के तहत एक अपराध करता है, क्या वह 'स्वैच्छिक नशे' से बचाव हेतु अभिवचन कर सकता है? आइ० पी० सी० के प्रासंगिक प्रावधानों के प्रकाश में विवेचना कीजिए।

If a person, who voluntarily consumed intoxicating liquor, commits an offence, while under the influence of such intoxication, can he plead 'voluntary intoxication' as a defence? Discuss in the light of relevant provisions of the IPC.

(b) यदि एक स्त्री दूसरी स्त्री को गुप्त कृत्य में संलग्न देखती अथवा उसकी छवि खींचती है, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब दूसरी स्त्री यह अपेक्षा रखती है कि दूसरा अन्य व्यक्ति उसे नहीं देख रहा है, क्या यह भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत 'दृश्यरतिकता' का अपराध होगा? विवेचना कीजिए।

If a woman watches or captures the image of another woman engaging in a private act in circumstances where she would usually have the expectation of not being observed by any other person, does that amount to offence of 'voyeurism' under the Indian Penal Code? Discuss.

(c) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अंतर्गत क्या यह अनिवार्य है कि सरकारी कर्मचारी को अपराध के लिए दंडित करने हेतु पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी? उच्चतम न्यायालय के निर्णयों और प्रासंगिक प्रावधानों के प्रकाश में विवेचन कीजिए।

Is it mandatory to obtain previous sanction for prosecuting a public servant for offences under the Prevention of Corruption Act, 1988? Discuss in the light of relevant provisions and the decisions of the Supreme Court.

(d) '' 'लोक उपद्रव' किसी व्यक्ति के लिए सिविल वाद हेतुक का कारण नहीं बनता है।'' टिप्पणी कीजिए।

" 'Public nuisance' does not create a civil cause of action for any person." Comment.

(e) ''प्रतिनिधिक दायित्व के सामान्य मामले अपने रोजगार के दौरान सेवक द्वारा अपने वाहन चलाने से संबंधित होते हैं।'' विनिश्चित मामलों के प्रकाश में व्याख्या कीजिए।

"The common cases of vicarious liability relate to servant driving his vehicle in the course of employment." Explain in the light of decided cases.

2. *(a)* भारतीय दंड संहिता की धारा 300 के अंतर्गत 'हत्या' की परिभाषा बहुत विस्तृत है। इसमें न केवल 'साशय' और 'अनभिप्रेत' मृत्यु के कारण सम्मिलित हैं बल्कि वे मामले भी हैं जहाँ मृत्यु की 'पूर्वकल्पना' भी नहीं की गयी है। व्याख्या कीजिए।

The definition of 'murder' under Section 300 of the Indian Penal Code is very wide. It includes not only both 'intentional' and 'unintentional' causing of death but also cases where the death is not even 'foreseen'. Explain. 20

(b) " 'क्षति मापदण्ड' अभिव्यक्ति का अर्थ वह पैमाना अथवा निर्देश द्वारा नियम है जिसके अनुसार नुकसानों का परिमाण अभिलेखित और निर्धारित किया जाना चाहिए।"

उपरोक्त कथन के प्रकाश में अपकृत्य सुधार के रूप में नुकसानों की परिवर्ती रूपरेखाओं का परीक्षण कीजिए।

"The expression 'measures of damages' means the scale or rule by reference to which the amount of damages is to be recorded and assessed."

In the light of the above statement, examine the changing contours of damages as a tortious remedy. 15

(c) यद्यपि भारतीय दंड संहिता की दोनों धाराएँ 34 और 149 आन्वयिक आपराधिक दायित्व को लागू करती हैं फिर भी दोनों के बीच भेद के पर्याप्त संकेतक हैं। वे क्या हैं?

Though both Sections 34 and 149 of the Indian Penal Code provide for imposition of constructive criminal liability, there are substantial points of difference between the two. What are they? 15

3. *(a)* भारत में यद्यपि अभी तक 'मृत्युदंड' का उन्मूलन नहीं हुआ है लेकिन नवीन प्रवृत्तियों ने दिखाया है कि उच्चतम न्यायालय ने, अपीलों में, इसको रूपांतरित करने की प्रवृत्ति दिखाई है और मुजरिमों को आजीवन कारावास की सजा देते हुए आगे निर्देश दिए हैं कि मुजरिमों को जेल से रिहा न किया जाए जब तक कि वे वास्तव में प्रायः 20, 25 अथवा 30 वर्षों तक की विशेष अवधि तक कारागार में व्यतीत न कर लें। क्या आप सोचते हैं कि न्यायालय द्वारा इस प्रकार के निर्देश जारी करना न्यायसंगत है? टिप्पणी कीजिए।

Though the 'capital punishment' is not abolished in India, the recent trends show that the Supreme Court, in appeals, is inclined to modify the same and sentence the convict to life imprisonment with further direction that the convict must not be released from prison before he/she actually serves certain specified number of years usually 20, 25 or 30 years. Do you think the Court is justified in issuing such directions? Comment. 20

(b) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए और बताइए कि यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 से कैसे भिन्न है।

Critically examine the Consumer Protection Act, 2019 and distinguish it with the Consumer Protection Act, 1986. 15

(c) '' 'विशेषाधिकार' का अर्थ है कि एक व्यक्ति मामले के तथ्यों से इस प्रकार जुड़ा है कि वह कहने अथवा लिखने में न्यायसंगत है जो किसी दूसरे के लिए 'निंदात्मक' अथवा 'अपमानजनक' होगा।'' अग्र निर्णय विधि द्वारा इस कथन की व्याख्या कीजिए।

" 'Privilege' means that a person stands in such relation to the facts of the case that he is justified in saying or writing what would be 'slanderous' or 'libellous' in anyone else." Explain the statement with leading case law. 15

4. (a) जब तक 'चोरी' अथवा 'उद्दापन' के संघटक उपस्थित नहीं हैं, तब तक ना ही 'लूट' ना ही 'डकैती' का अपराध बनाया जा सकता है। व्याख्या कीजिए।

Unless the ingredients of either 'theft' or 'extortion' are present, neither the offence of 'robbery' nor the offence of 'dacoity' can be made out. Explain. 20

(b) 'एक्टस रीयस' और 'मेन्स रीआ' दोनों की ही साथ उपस्थिति का साक्ष्य पर्याप्त नहीं है बल्कि आपराधिक दायित्व अधिरोपित करने के लिए दोनों के बीच समधिकार स्थापित करने की भी आवश्यकता होती है। निर्णयज विधि के प्रकाश में विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Mere proof of presence of both 'actus reus' and 'mens rea' is not sufficient, the concurrence between the two also needs to be established to impose criminal liability. Elucidate in the light of case law. 15

(c) ''अपने सेवक द्वारा किए गए अपकृत्य के लिए क्राउन उत्तरदायी नहीं था'' का नियम भारत में कभी लागू नहीं किया गया। निर्णीत मामलों के प्रकाश में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

The rule "Crown was not answerable for tort committed by its servant" has never been applied in India. Examine the statement in the light of the decided cases. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। प्रासंगिक विधिक उपबन्धों व निर्णीत मामलों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answers with relevant legal provisions and decided cases : 10×5=50

(a) ''एक सामान्य कागज संविदा की भाँति ही एक इलेक्ट्रॉनिक संविदा भी मुख्यतः भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के कोडीकृत प्रावधानों द्वारा नियंत्रित होती है जो सामान्यतया सभी संविदाओं पर लागू होते हैं।'' इलेक्ट्रॉनिक संविदा के समापन से संबंधित विधिक प्रावधानों के प्रकाश में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

"Like an ordinary paper contract, an electronic contract is also primarily governed by the codified provisions of the Indian Contract Act, 1872 as applicable to contracts in general." Explain the statement highlighting the legal provisions relating to conclusion of electronic contract.

(b) जैव विविधता संबंधी विवादों के न्याय-निर्णयन और राष्ट्रीय हरित अधिकरण की अधिकारिता के विशेष संदर्भ में जैव विविधता संरक्षण अधिनियम, 2002 के अंतर्गत दिए गए प्रवेश और लाभ बाँटना (ए०बी०एस०) विधि का विवेचन कीजिए।

Discuss the access and benefit sharing (ABS) law provided under the Biodiversity Conservation Act, 2002 with special reference to adjudication of biodiversity disputes and jurisdiction of the National Green Tribunal.

(c) ''भारत के उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 देशांतरगामी महामारी से संबंधित लोकहित मुकदमों में सरकार की नीतियों में हस्तक्षेप न करने की न्यायिक नीति अपनायी है।'' निर्णीत मामलों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

"The Supreme Court of India in public interest litigation cases relating to COVID-19 pandemic adopted a judicial policy of non-interference into the policies of the Government." Elucidate with the help of decided cases.

(d) ''एक प्रतिभू दायित्व से उन्मोचित कहलाती है जब उसका दायित्व समाप्त हो जाता है।'' भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अंतर्गत प्रासंगिक विधिक प्रावधान द्वारा इस कथन पर प्रकाश डालिए।

"A surety is said to be discharged from liability when his liability comes to an end." Throw light on the statement with relevant legal provision under the Indian Contract Act, 1872.

(e) एनसन के अनुसार, ''बीमा की संविदा वेजरिन्ग समझौते से एक विशेष पृष्ठीय सादृश्य रखती है, लेकिन वे वास्तव में भिन्न प्रकृति के लेनदेन हैं''। विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

According to Anson, "Contract of insurance bears a certain superficial resemblance to wagering agreement but they are really transactions of different nature". Elucidate.

6. (a) ''पेटेंट की अनुमति का तात्पर्य है कि पेटेंटी दूसरों को आविष्कार का उपयोग करने से वर्जित करने का अधिकार रखता है।''

पेटेंट अधिनियम, 1970 के प्रासंगिक प्रावधानों और अग्र निर्णयों के साथ उपरोक्त कथन के आशय की जाँच कीजिए।

"The grant of patent implies that patentee has a right to exclude others from using the invention."

Examine the implication of the above statement with relevant provisions of the Patent Act, 1970 and leading judgements. 20

(b) ''कोई भी न्यायालय ऐसे पुरुष को अपनी सहायता नहीं देगा जहाँ उसकी कार्यवाही का कारण अनैतिक अथवा अवैध कार्य है।''

क्या उपरोक्त नियम के कोई अपवाद भी हैं? व्याख्या कीजिए।

"No court will lend its aid to a man who found his cause of action upon an immoral or illegal act."

Are there any exceptions to the above-said rule? Explain. 15

(c) ''माध्यस्थम् पंचाट के विरुद्ध इसके गुणागुण के कारण पक्षकार अपील नहीं कर सकते और न्यायालय इसके गुणागुण में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है।'' क्रांतिक रूप से इस कथन की जाँच कीजिए और साथ ही माध्यस्थम् और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2019 की विशिष्टताओं की भी व्याख्या कीजिए।

"The parties cannot appeal against an arbitral award as to its merits and the court cannot interfere on its merits." Critically examine the statement and also explain the highlights of the Arbitration and Conciliation (Amendment) Act, 2019. 15

7. (a) ''परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 का उद्देश्य बैंक प्रचालनों की दक्षता को प्रोत्साहित करना और चेकों द्वारा कारबारी संव्यवहार में प्रत्येयता को सुनिश्चित करना है।'' नवीन संशोधनों के साथ इस कथन की व्याख्या कीजिए।

"The objective of Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881 is to promote the efficiency of banking operations and to ensure credibility in transacting business through cheques." Explain the statement with recent amendments. 20

(b) ''विधि न्यायसंगत पारिश्रमिक के अधिकार के संरक्षण के लिए बनी है लेकिन जीवन अर्थ से परे है।''

उपरोक्त कथन के प्रकाश में प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 और इस मुद्दे पर निर्णयज विधि के अंतर्गत आर्थिक अधिकारों और नैतिक अधिकारों के द्विविभाजन का विस्तारपूर्वक निरूपण कीजिए।

"Laws are geared to protect the right to equitable remuneration but life is beyond the material."

In the light of the above statement, dwell on the dichotomy of economic rights and moral rights under the Copyright Act, 1957 and case law on the point. 15

(c) निर्णीत मामलों के प्रकाश में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत जीवन को संकट में डालने, आपराधिक मुकदमा और आपराधिक जाँच संबंधी सूचना के प्रकटीकरण से छूट के औचित्य की विवेचना कीजिए।

Discuss the rationale of exemption to disclosure of information endangering life and the information regarding criminal trial and criminal investigation provided under the Right to Information Act, 2005 in the light of decided cases. 15

8. (a) ''समय के अंतराल में, न्यायालयों ने कई अपवाद सन्निविष्ट किए हैं जिनमें संविदात्मक संबंध का नियम एक व्यक्ति को संविदा प्रवर्तित करने से नहीं रोकता है जो उसके लाभ के लिए बनाया गया है, पर वह इसका पक्षकार नहीं है।'' अग्र निर्णय विधि की सहायता से इस कथन की व्याख्या कीजिए।

"In the course of time, the courts have introduced a number of exceptions in which the rule of privity of contract does not prevent a person from enforcing a contract which has been made for his benefit but without his being a party to it." Explain the statement with the help of leading case law. 20

(b) ''बौद्धिक संपदा अधिकार और प्रतिस्पर्धा विधि सामान्यतया आगे-पीछे कार्य करते हैं लेकिन प्रायः असहमति में मित्र बन जाते हैं।''

टी० आर० आइ० पी० एस० समझौता, 1995 के आदेश और प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के अंतर्गत इसके अनुपालन का संदर्भ देते हुए उपरोक्त कथन को विस्तार से समझाइए।

"The intellectual property right and competition law generally work in tandem but often become friends in disagreement."

Elucidate the above statement by referring to the mandate of the TRIPS Agreement, 1995 and its compliance under the Competition Act, 2002. 15

(c) ''पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 एक छतरी विधान है, जो न केवल पर्यावरण के संरक्षण और सुधार के लिए है बल्कि प्रदूषण को रोकता और नियंत्रित करता है।'' टिप्पणी और विश्लेषण कीजिए।

"The Environment (Protection) Act, 1986 is an umbrella legislation to not only protect and improve the environment but to prevent and control of pollution." Comment and analyze. 15

★★★

CS (Main) Exam,2021

वियोज्य *DETACHABLE*

विधि (प्रश्न-पत्र II)

LAW (Paper II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : 250* *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये । प्रासंगिक प्रावधानों तथा न्यायिक निर्णयों को अपने उत्तर के समर्थन में दीजिए ।
Answer the following in about 150 words each. Support your answer with relevant provisions and judicial pronouncements. 10×5=50

1. (a) 'विधि के अनुसार पागलपन' का क्या मतलब है जो एक आरोपी को आपराधिक दायित्व से छूट का हकदार बनाता है ?
What amounts to 'Legal Insanity' that would entitle an accused for exemption from Criminal Liability ? 10

1. (b) आई.पी.सी. 1860 के तहत हत्या के आरोप के बचाव के रूप में 'गंभीर और अचानक प्रकोपन' पर चर्चा कीजिए ।
Discuss 'Grave and Sudden Provocation' as a defence to charge of murder under IPC, 1860 ? 10

1. (c) सी.आर.पी.सी. 1973 के तहत अभिवाक् सौदेबाजी (प्ली बारगेनिंग) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । किन मामलों में प्ली बारगेनिंग उपलब्ध नहीं है ?
Explain the concept of Plea-bargaining under the Cr.P.C. 1973. In what cases Plea-bargaining is not available ? 10

1. (d) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत परिभाषित, 'उपभोक्ता' के दायरे और गुंजाइश (एम्बिट एंड स्कोप) पर चर्चा करें ।
Discuss the ambit & scope of 'consumer' as defined under the Consumer Protection Act, 2019. 10

1. (e) 'द्वेषपूर्ण अभियोजन' का गठन किस प्रकार होता है ? यह 'मिथ्या कारावास' से कैसे अलग है ?
What constitutes 'Malicious Prosecution' ? How it is different from 'False Imprisonment' ? 10

2. (a) क्या आई.पी.सी., 1860 में 'प्रयत्न' (अटैम्प्ट) को कहीं पर परिभाषित किया गया है ? क्या एक कार्य किसी अपराध को करने की तैयारी या प्रयास के बराबर है, यह निर्धारित करने के लिये विभिन्न परीक्षण क्या हैं ? प्रासंगिक निर्णयजन्य विधि/केस कानूनों की सहायता से व्याख्या कीजिए ।
Has 'Attempt' been defined anywhere in the IPC, 1860 ? What are the various tests for determining, whether an act amounts to preparation or attempt to commit an offence ? Explain with the help of relevant case laws. 20

2. (b) निम्नलिखित के बीच अंतर करें :
Differentiate between the following : 5×3=15

2. (b)(i) 'व्यपहरण' (किडनैपिंग) एवं 'अपहरण' (ऐबडक्शन)
'Kidnapping' and 'Abduction'

(ii) बलवा (रायट) और दंगा (ऐफ्फरे)
'Riot' and 'Affray'

(iii) 'आपराधिक न्यास-भंग' और 'बेईमानी से संपत्ति का दुर्विनियोग' ।
'Criminal Breach of Trust' and 'Dishonest Misappropriation of property'.

2. (c) विभिन्न प्रकार के 'नुकसान' क्या हैं जो एक वादी (प्लैनटिफ्फ) टोर्टस् कानून के तहत एक उपाय के रूप में लाभ उठा सकता है ? किन परिस्थितियों में 'संभावित मुआवजा' दिया जा सकता है ?
What are the various kinds of 'damages' that a plantiff can avail as a remedy under the law of Torts ? Under what circumstances can "prospective damages" be awarded ? 15

3. (a) भारत में बलात्कार कानूनों के विकास पर 'मथुरा' से 'निर्भया' और उसके आगे तक चर्चा कीजिए ।
From 'Mathura' to 'Nirbhaya' and beyond, discuss the development of Rape laws in India. 20

3. (b) एक सदोष कार्य के लिये 'संयुक्त अपकृत्यकर्ताओं' के दायित्व की व्याख्या कीजिए । 'स्वतन्त्र अपकृत्यकर्ता' के दायित्व से यह किस प्रकार भिन्न है ?

Explain the liability of 'Joint Tortfeasors' for a wrongful Act. How is it different from the liability of 'Independent Tortfeasors' ? 15

3. (c) 'लापरवाही' के वाद में, प्रतिवादी के दीवानी दायित्व को सुनिश्चित करने के लिये, वादी को क्या स्थापित करने की आवश्यकता होती है ? स्वयं प्रमाण 'रैस इप्सा लोक्विटर' का सूत्र कैसे लागू किया जाता है ?

In an action for 'Negligence', what does the plantiff need to establish in order to affix civil liability of defendant ? What does it take for the maxim 'res ipsa loquitor' to apply ? 15

4. (a) विनिश्चित मामलों (डिसाइडेड केसेस्) की मदद से भारत में, 'नो-फाल्ट लायाबिलिटी' से संबंधित नियम के उद्भव एवं विकास पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the evolution and development of rule relating to 'No-fault liability' in India with help of decided cases. 20

4. (b) एक अभियुक्त को 'मानहानि' के लिये सिविल वाद में कौन से प्रतिवाद उपलब्ध होते हैं ? व्याख्या कीजिए ।

What are the defences available to an accused in a civil suit for 'defamation' ? Explain. 15

4. (c) हाल ही में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 में परिवर्तन हुए हैं । निरूपण कीजिए ।

Recently there have been changes in Scheduled Castes & Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989. Enumerate. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए । प्रासंगिक प्रावधानों तथा न्यायिक निर्णयों को अपने उत्तर के समर्थन में दीजिए ।

Answer the following in about 150 words each. Support your answers with relevant provisions and judicial pronouncements. 10×5=50

5. (a) अवयस्क के साथ की गई संविदा प्रारम्भ से ही शून्य (वॉयड एब इनिशिओ) मानी जाती है । टिप्पणी कीजिए ।

Minor's contract is 'void ab initio'. Comment. 10

5. (b) भारत के उच्चतम न्यायालय के हाल के निर्णय के आलोक में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2019 की संवैधानिकता पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the constitutionality of Right to Information Act, 2019 in the light of recent judgment by the Supreme Court of India. 10

5. (c) विधिक पदावली में "प्रत्येक व्यक्ति जो दूसरे के लिए कार्य करता है वह (एजेंट) अभिकर्ता नहीं है" । टिप्पणी कीजिए ।

In legal phraseology "every person who acts for another is not an agent". Comment. 10

5. (d) दिल्ली — राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण आपातकाल की वर्तमान परिस्थितियों में भारत का 40 वर्ष पुराना 'वायु अधिनियम', 1981 दम तोड़ रहा है । न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रिया के आलोक में कानून की प्रभावशीलता पर टिप्पणी कीजिए ।

India's 40 years old 'Air Act', 1981, languishes in the present circumstances of Air pollution emergency in Delhi — National Capital Region. Comment on the effectiveness of law in the light of judicial and administrative mechanism. 10

5. (e) 'व्यापार के वैश्वीकरण के साथ ब्रांड नामों, व्यापार नामों और व्यापार चिह्नों ने असीम महत्त्व प्राप्त कर लिया है और इसलिये एक प्रभावी ट्रेडमार्क कानून की आवश्यकता है' । विवेचना कीजिए ।

'With the globalisation of trade, brand names, trade names and trade marks have attained an immense value and therefore it requires an effective trade mark law'. Discuss. 10

6. (a) विभिन्न तरीके क्या हैं जिनमें एक अनुबंध का निर्वहन किया जा सकता है ? निर्णीत मामलों के आलोक में व्याख्या करें ।

What are the various modes in which a contract may be discharged ? Explain in the light of decided cases. 20

6. (b) सेक्शन 66A सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की वैधता और संवैधानिकता पर विस्तारपूर्वक लिखिए ।

Dwell on the legality and constitutionality of Section 66A, Information Technology Act, 2000. 15

6. (c) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on the following : 5×3=15

6. (c)(i) केविएट एम्पटर / Caveat Emptor (ii) यूबेर्रिमा फाइड्स / Uberrima fides (iii) नेमो डैट क्वोड नॉन हैबेट् / Nemo dat quod non habet

7. (a) मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 का सेक्शन 8 एक प्रावधान को दर्शाता है जो मध्यस्थता की प्रक्रिया में न्यायिक हस्तक्षेप को सीमित करता है । इस बिंदु पर निर्णयजन्य विधि विकास (केस लॉ डैवलपमेंट) के समर्थन से कथन का विशदीकरण (इल्यूसिडेट) कीजिए ।

Section 8 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 denotes a provision which limits judicial intervention in the process of arbitration ? Elucidate the statement with support of case law development on the point. 20

7. (b) 'हजारों में कोई एक भी ग्राहक कभी शर्तों को नहीं पढ़ता । यदि वह ऐसा करने के लिये रुक गया होता, वह नाव से चूक गया होता' । उपरोक्त कथन को ध्यान में रखते हुये एक मानक रूपी संविदा की संविदात्मकता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

'No customer in a thousand ever read the conditions. If he had stopped to do so, he would have missed the boat'. Critically examine the contractuality of a standard form of contract in view of the above statement. 15

7. (c) न्यायिक दृष्टिकोण के संदर्भ में मीडिया ट्रायल और फेयर ट्रायल के बीच सहजीवी संबंध पर चर्चा करें ।

Discuss the symbiotic relationship between Media Trial and Fair Trial with reference to judicial approach. 15

8. (a) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अंतर्गत 'क्वेसी कॉन्ट्रेक्ट' की अवधारणा और वर्गीकरण पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the concept and classification of 'Quasi contracts' under Indian Contract Act, 1872. 20

8. (b) "सीमित देयता भागीदारी एक वैकल्पिक कॉर्पोरेट प्ररूप है जो एक कंपनी की सीमित देयता और साझेदारी के लचीलेपन का लाभ देता है । उपरोक्त के आलोक में सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा करें ।

"Limited Liability Partnership is an alternative corporate form that gives the benefit of limited liability of a company and flexibility of a partnership". In the light of the above discuss the chief characteristics of Limited Liability Partnership Act, 2008. 15

8. (c) कोई भी कारक जो 'मुक्त सहमति' को दूषित (विशिएटिंग फ्री कन्सेन्ट) करता है, एक अनुबंध को कैसे प्रभावित करता है ? स्पष्ट कीजिए ।

How does any factor vitiating 'free consent', affect a contract ? Explain. 15

विधि (प्रश्न-पत्र–II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे | अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़िये)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिये नियत अंक उसके सामने दिये गये हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिये, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिये।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जायेगी। आंशिक रूप से दिये गये प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जायेगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

LAW (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में उत्तर दीजिये। आपका उत्तर सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों से समर्थित कीजिये :

Answer the following in about *150* words each. Support your answers with relevant legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) "*ऐक्टस रिअस* के साथ *मेन्स रिया* की उपस्थिति कृत्य को अपराध बनाती है।" व्याख्या कीजिये।

"The existence of *mens rea* along with commission of *actus reus* makes the act an offence." Explain.

(b) अपकृत्य विधि के अन्तर्गत प्रतिकर के अलावा कौन-से उपचार उपलब्ध हैं? उपयुक्त उदाहरणों के उद्धरण देते हुए विवेचन कीजिये।

What are the remedies available under the Law of Tort other than damages? Discuss by citing suitable illustrations.

(c) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धाराएँ 326-A और 326-B की प्रभावशीलता का विश्लेषण कीजिये। *लक्ष्मी* बनाम *भारत संघ* के मामले, 2015 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने क्या अतिरिक्त सुझाव दिये हैं?

Analyze the effectiveness of Sections 326-A and 326-B of the Indian Penal Code, 1860. What additional suggestions have been made by the Supreme Court of India in *Laxmi* vs. *Union of India* Case in 2015 ?

(d) भारत में अस्पृश्यता नियंत्रण में सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा 7-A कहाँ तक प्रभावी है?

How far has Section 7-A of the Protection of Civil Rights Act, 1955 been effective to control untouchability in India?

(e) प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार इस आधारभूत सिद्धान्त पर आधारित है कि स्वयं की सहायता मनुष्य का प्राथमिक कर्तव्य है, किन्तु यह अधिकार निर्बाध (पूर्ण) नहीं है। समझाइये।

The Right of Private Defence is based on the cardinal principle that it is the primary duty of man to help himself, but this right is not absolute. Explain.

2. *(a)* अपकृत्य विधि के अन्तर्गत 'राज्य दायित्व' रूपान्तरणों से गुजरा है। निर्णयज विधि की सहायता से व्याख्या कीजिये।

The 'State Liability' under the Law of Tort has undergone metamorphosis. Explain with the help of case laws. 20

(b) ''भारतीय दण्ड संहिता (आइ० पी० सी०), 1860 की धारा 149 के प्रावधान अपराध के प्रश्न से सम्बन्धित हैं, जबकि धारा 34 साक्ष्य के प्रश्न से।'' इस कथन के कारणों का उल्लेख कीजिये।

"The provisions of Section 149 of the IPC, 1860 relate to the question of offence while Section 34 is a question of evidence." Give reasons for the statement. 15

(c) 'पूर्ण (आत्यंतिक) दायित्व' का नियम, 'कठोर दायित्व' से किस प्रकार भिन्न है? प्रासंगिक निर्णयों का उद्धरण दीजिये।

How is the rule of 'absolute liability' different from 'strict liability'? Cite the relevant judgements. 15

3. *(a)* 'विधि-विरुद्ध जमाव' से आप क्या समझते हैं? उन परिस्थितियों का विवेचन कीजिये, जब विधिसंगत जमाव विधि-विरुद्ध हो जाता है। सुसंगत उदाहरणों के साथ अपने उत्तर का समर्थन कीजिये।

What do you understand by an 'unlawful assembly'? Discuss the circumstances when a lawful assembly becomes unlawful. Support your answer with suitable illustrations. 20

(b) '' 'प्रतिष्ठा का अधिकार' प्रत्येक व्यक्ति का अंतर्निष्ठ व्यक्तिगत अधिकार माना जाता है।'' भारत में मानहानि सम्बन्धी विधि के प्रकाश में इस कथन का विवेचन कीजिये।

"The 'Right of Reputation' is acknowledged as an inherent personal right of every person." Discuss the statement in the light of Law of Defamation in India. 15

(c) ''पीड़ित की सहमति, बलात्कार के अपराध को नकारती है।'' विवाह की झूठी प्रतिज्ञा देकर अपराधी द्वारा प्राप्त की गई सहमति के मामले में यह कहाँ तक सही है?

"The consent of victim negates the offence of rape." How far will it be true in case it is obtained by the offender on the false promise of marriage? 15

4. *(a)* भारत में 'आत्महत्या के प्रयास' से सम्बन्धित विधि का सार प्रस्तुत कीजिये। भारत में आत्महत्या के प्रयास के कानून में मेंटल हेल्थकेयर अधिनियम, 2017 ने कहाँ तक नये आयाम जोड़े हैं?

Summarize the law relating to 'attempt to suicide' in India. How far the Mental Healthcare Act, 2017 added new dimensions to the law of attempt to suicide in India? 20

(b) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियमों, 2020 के अन्तर्गत ऑनलाइन उपभोक्ताओं को प्रदत्त सुरक्षाओं की विधिक रूपरेखा बनाइए।

Outline the legal framework for the protection of online consumers provided under the Consumer Protection Act, 2019 and the Consumer Protection (E-Commerce) Rules, 2020. 15

(c) ''प्राथमिक रूप से विधि द्वारा निर्धारित कर्तव्य के भंग होने से अपकृत्यात्मक दायित्व उत्पन्न होता है। यह कर्तव्य सामान्यतया व्यक्तियों के प्रति होता है और इसका भंग अपरिनिर्धारित नुकसानी के लिए कार्यवाही द्वारा उपचारयोग्य होता है।'' टिप्पणी कीजिये।

"Tortious liability arises from breach of duty primarily fixed by the law. This duty is towards persons generally and its breach is redressible by an action for unliquidated damages." Comment. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में उत्तर दीजिये। आपका उत्तर सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों से समर्थित कीजिये :

Answer the following in about *150* words each. Support your answers with relevant legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) ''सभी संविदाएँ करार होती हैं, किन्तु सभी करार संविदाएँ नहीं होती हैं।'' कथन को विस्तार से समझाइये।

"All the contracts are agreements, but all the agreements are not contracts." Elucidate the statement.

(b) परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 की अर्द्ध (कल्प)-आपराधिक प्रकृति का विवेचन कीजिये।

Discuss the quasi-criminal nature of Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881.

(c) भारत में पर्यावरण-सम्बन्धी विधियों के पुनरावलोकन हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति (जिसे टी० एस० आर० सुब्रमण्यम समिति के नाम से जाना जाता है) के प्रतिवेदन, 2014 के निहितार्थों (विवक्षाओं) का विवेचन कीजिये।

Discuss the implications of the High Level Committee (known as T. S. R. Subramanian Committee) Report, 2014 for review of environment-related laws in India.

(d) माल विक्रय अधिनियम, 1930 के अधीन प्रदत्त शर्तों और आश्वासनों (वारन्टी) को विस्तार से बताइये।

Elaborate the conditions and warranties provided under the Sale of Goods Act, 1930.

(e) ''कार्य से कोटेशन (कोटेशन फ्रॉम वर्क), जो कि पूर्व से ही जनता (लोक) को विधितः उपलब्ध कराये जाते हैं, प्रतिलिप्यधिकार का अतिलंघन नहीं करते हैं।'' टिप्पणी कीजिये।

"The quotation from a work which has already been lawfully made available to the public does not constitute infringement of copyright." Comment.

6. (a) ''प्रतिभू का दायित्व, मूल ऋणी के दायित्व के समविस्तीर्ण होता है, जब तक कि संविदा द्वारा अन्यथा प्रदत्त न हो।'' इस कथन को उन परिस्थितियों, जिनमें एक प्रतिभू को उसके दायित्व से उन्मोचित किया जाता है, का वर्णन करते हुए समझाइये।

"The liability of a surety is coextensive with principal debtor, unless it is otherwise provided by the contract." Elucidate the statement by narrating the circumstances under which a surety is discharged from his liability. 20

(b) प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के अधीन प्रतिबन्धित 'प्रभुत्व के दुरुपयोग' और 'अनुचित व्यवहार' से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by 'abuse of dominance' and 'abusive conduct' prohibited under the Competition Act, 2002? 15

(c) भारत में त्वरित राहत (उपचार) प्रदान करने में आपातकालीन पंचाट की अवधारणा का विस्तारपूर्वक निरूपण कीजिये।

Dwell on the concept of emergency arbitration in providing expeditious relief in India. 15

7. (a) संविदा की नैराश्यता तथा पर्यवेक्षणीय असंभावनाओं की परिस्थितियों का निर्णीत विधि के आलोक में वर्णन कीजिये।

State the circumstances of supervening impossibility and frustration of contract in the light of the decided cases. 20

(b) ''सूचना तकनीकी अधिनियम, 2000 का उद्देश्य ई-कॉमर्स का विकास करना था, किन्तु यह व्यापारियों के विकास-सृजन और उपभोक्ताओं के आत्मविश्वास को संतुष्ट करने में असफल रहा है।'' टिप्पणी कीजिये।

"The Information Technology Act, 2000 aimed at e-commerce development, but failed to satisfy growth-building traders and consumer confidence." Comment. 15

(c) ''बिना प्रतिफल के करार शून्य है।'' क्या इसका कोई अपवाद है? उपयुक्त उदाहरण देकर विवेचना कीजिये।

"An agreement without consideration is void." Is there any exception to it? Discuss by giving suitable illustrations. 15

8. (a) एक अभिकरण की अनिवार्यताएँ क्या हैं? भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अधीन अभिकरण किस प्रकार सृजित और समाप्त किया जाता है?

What are the essentials of an agency? How is an agency created and terminated under the Indian Contract Act, 1872? 20

(b) ''समय संविदा का सार-तत्त्व है।'' नियत समयावधि में दायित्व को पूर्ण न कर पाने के मामले में पीड़ित पक्ष को क्या उपचार उपलब्ध हैं?

"Time is an essence of the contract." What are the remedies available to the aggrieved party in case of non-fulfilment of obligation within the stipulated time? 15

(c) नोवार्टिस मामला, 2013 के सन्दर्भ में पेटेन्ट अधिनियम, 1970 की धारा 3(d) की परिधि (सीमा) और क्षेत्र की विवेचना कीजिये।

Discuss the ambit and scope of Section 3(d) of the Patent Act, 1970 in the context of the Novartis Case, 2013. 15

★★★

वियोज्य *DETACHABLE*

विधि (प्रश्न-पत्र II)

LAW (Paper II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : 250* *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए । अपना उत्तर सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों से समर्थित कीजिए ।

Answer the following in about 150 words each. Support your answers with relevant legal provisions and judicial pronouncements. 10×5=50

1.(a) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के तहत सदोष मानववध से संबंधित विधि में लागू होने वाले 'स्थानांतरित विद्वेष' के सिद्धांत का विवेचन करें ।

Discuss the doctrine of 'Transferred Malice' as applied to law relating to culpable homicide under the Indian Penal Code, 1860. 10

1.(b) सम्पत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार के प्रयोग की प्रकृति एवं क्षेत्र-विस्तार के साथ सीमायें (मर्यादा), यदि कोई हैं तो, उनकी विवेचना कीजिए ।

Discuss the nature and scope of right of Private defence of property along with limitations if any, on the exercise of such right. 10

1.(c) दुष्प्रेरण-विधि के सन्दर्भ में 'आन्वयिक-अपराधिकता' के सिद्धान्त को उदाहरण सहित समझाइए ।

Illustrate the doctrine of 'constructive-criminality' with reference to law on Abetment. 10

1.(d) "वह जो दूसरे के माध्यम से कार्य करता है, स्वयं कार्य करता है ।"
उपरोक्त कथन के अनुक्रम में अपकृत्यात्मक दायित्व की विवेचना कीजिए ।

"He who acts through another, does the act himself."
Discuss the tortious liability entailed in the above statement. 10

1.(e) एक वादी अपने ऊपर किये गये अपकृत्य के उपरान्त विभिन्न प्रकार की क्षतिपूर्ति (नुकसानी) का दावा कर सकता है, की व्याख्या कीजिए ।

Explain the various kinds of damages that a plaintiff can claim after a tort has been committed against him. 10

2.(a) एक बीस वर्षीय लड़की 'जी' कालेज के बाद घर आ रही थी । 'एम' एक आदमी ने उसे पकड़ लिया, उसका मुँह बन्द कर दिया एवं उसे पास की झाड़ी में घसीट लिया, जहाँ उसने लड़की का गला काट दिया जिससे वह लड़की मर गई । उसके बाद आदमी ने उसके साथ बलात्कार किया । उपरोक्त वाद में 'एम' ने क्या अपराध(धों) को, यदि कोई हो तो, कारित किया, तय करें । सुसंगत सांविधिक प्रावधानों की विस्तार में व्याख्या करें ।

A twenty year old girl 'G' was coming back to home after attending college. A man 'M' held her, shut her mouth and dragged her to a nearby bush, where he slit the girl's throat thereby killing her. Thereafter he raped her. Decide what offence(s), if any, 'M' has committed in the above case. Explain the relevant statutory provisions in detail. 20

2. (b) "उपेक्षा में, कार्यकारण की शृंखला अक्षुण्ण (निरन्तर) रहनी चाहिए ।" वाद-विधियों के संदर्भ द्वारा 'उपेक्षा' के आवश्यक तत्त्वों का वर्णन कीजिए ।

"In Negligence, the chain of causation must remain intact." Describe the essentials of 'negligence' by referring case-laws. 15

2. (c) 'अत्याचार' को परिभाषित करें । यह भी विवेचना करें कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत कौनसे कार्य 'अत्याचार' की श्रेणी में आते हैं ।

Define 'Atrocity'. Also discuss the acts that amount to 'atrocity' under the provisions of The Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989. 15

3. (a) भारतीय दण्ड विधान 1860 के अन्तर्गत परिभाषित महिला पर उसकी 'लज्जा भंग' करने एवं 'यौन शोषण' करने के आशय से 'हमला या आपराधिक बल' से सम्बन्धित विधि की विवेचना कीजिये । क्या इन दोनों के मध्य कोई विभेद हैं ? व्याख्या कीजिये ।

Discuss the law relating to 'Assault or Criminal force' to woman with intent to 'Outrage her Modesty' and 'Sexual Harassment' as defined under Indian Penal Code, 1860. Is there any difference between the two ? Explain. 20

3. (b) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में 'ई-कॉमर्स' को शामिल करने के कारणों को विस्तार से बतायें । साथ ही ई-कॉमर्स इकाईयों (संस्थाओं) द्वारा अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं करने के परिणामों की विवेचना कीजिये ।

Elaborate the reasons for including 'e-commerce' in Consumer Protection Act, 2019. Also discuss the consequences for not complying with the provisions of the Act by the e-commerce entities. 15

3. (c) 'प्राईवेट उपताप' के आवश्यक तत्त्वों को वृहद में समझाईए । 'प्राईवेट उपताप' के वाद में वादी को उपलब्ध उपचारों की भी विवेचना कीजिए ।

Elucidate the essentials of 'Private Nuisance'. Also discuss the remedies available to a plaintiff in a suit for 'private nuisance'. 15

4. (a) "बेईमानीपूर्ण आशय (इरादा) चोरी के अपराध का सार है ।"
उपर्युक्त कथन का उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से परीक्षण कीजिए । 'चोरी' और 'बेइमानी से संपत्ति का दुर्विनियोग' के बीच अंतर की भी विवेचना करें ।

"Dishonest Intention is the gist of the offence of Theft."
Examine the above statement with the help of relevant illustrations. Also discuss how 'theft' is different from 'dishonest misappropriation of property.' 20

4. (b) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत परिभाषित 'अनुचित-लाभ' शब्दावली का परीक्षण कीजिये । साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत पंजीकृत मामलों में अन्वेषण के दौरान अनुकरण करने में अपेक्षित प्रक्रिया एवं अधिकृत व्यक्तियों की भी विवेचना कीजिए ।

Examine the term 'Undue-Advantage' as difined under the Prevention of Corruption Act, 1988. Also discuss the persons authorised and the procedure required to be followed while investigating cases that are registered under the Prevention of Corruption Act, 1988. 15

4. (c) 'विद्वेषपूर्ण अभियोजन' के प्रतिकर (नुकसानी) के लिए किये गये वाद में वादी द्वारा साबित किये जाने वाले आवश्यक तत्त्वों की निर्णीत वाद-विधियों की सहायता से आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

Critically analyse with the help of decided cases, the essentials to be proved by a plaintiff in a suit for damages for 'Malicious Prosecution.' 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए । अपना उत्तर सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों से समर्थित कीजिए ।

Answer the following in about 150 words each. Support your answer with relevant legal provisions and judicial pronouncements. 10×5=50

5. (a) "संविदा विधि न तो पूर्णत: करारों की विधि है, न ही यह पूर्णत: वाध्यताओं की विधि है । यह ऐसे करारों की वह विधि है जो बाध्यताएँ निर्मित करती है एवं उन बाध्यताओं को जिनके स्रोत करार में होते हैं" — सामन्ड । इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

"The law of contract is not the whole law of agreements, nor is it the whole law of obligations. It is the law of those agreements which create obligations, and those obligations which have their source in agreement" — Salmond. Critically examine this statement. 10

5. (b) "एक भागीदार के वाद पर भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 में वर्णित कुछ आधारों पर न्यायालय एक फर्म का विघटन कर सकता है । अधिनियम में उल्लिखित आधारों को एक भागीदार के विघटन के अधिकार पर किसी विपरीत करार द्वारा अपवर्जित नहीं किया जा सकता है ।" व्याख्या कीजिये ।

"At the suit of a partner, the court may dissolve a firm on certain grounds specified in the Indian Partnership Act, 1932. The right of a partner to ask for dissolution on any of the grounds mentioned in the Act cannot be excluded by any agreement to the contrary." Explain. 10

5. (c) "एक माध्यस्थम् पंचाट के विरुद्ध पक्षकारों द्वारा उसके गुणागुण पर अपील नहीं की जा सकती है। परन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि माध्यस्थों के आचरण पर कोई नियन्त्रण नहीं है। पंचाटों पर भी चुनौती (आपत्ति) की जा सकती है।" उपरोक्त कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"The parties cannot appeal against an arbitral award as to its merits. But, this does not mean that there is no check on the Arbitrator's conduct. Awards may also be challenged." Critically examine the above statement. 10

5. (d) "भारत में, विभिन्न प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार हैं, जो विभिन्न विधियों के अन्तर्गत संरक्षित हैं।" व्याख्या कीजिये।

"In India, there are different types of Intellectual Property rights, which are protected under different laws." Explain. 10

5. (e) 'राष्ट्रीय-हरित न्यायाधिकरण' किस तरह के मामलों की सुनवाई करता है ? यह केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से किस प्रकार भिन्न है ?

What kind of cases are heard by the 'National-Green Tribunal' ? How is it different from the Central Pollution Control Board (CPCB) ? 10

6. (a) "महिलाओं के सांविधानिक अधिकारों को सुनिश्चित करने में जनहित वाद को एक उपकरण की तरह प्रयोग करते हुये सांविधानिक न्यायालयों ने न्यायिक सक्रियता से महिलाओं के विरुद्ध शोषण से सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान किया है।" निदर्शक (मुख्य)-वाद विधियों के साथ व्याख्या कीजिये।

"The Constitutional courts through their judicial activism have made substantial contribution in protecting women against exploitation, using Public Interest Litigation as a tool for securing their Constitutional rights." Explain with leading case laws. 20

6. (b) "एक अवयस्क की संविदा शून्य होने के कारण, सामान्यतया इसे सभी प्रभावों से मुक्त होना चाहिए। यदि कोई संविदा नहीं है, तो वास्तव में दोनों तरफ कोई संविदात्मक बाध्यता भी नहीं होनी चाहिए।" वाद-विधियों के साथ व्याख्या कीजिये।

"A minor's contract being void, ordinarily it should be wholly devoid of all effects. If there is no contract, there should, indeed, be no contractual obligation on either side." Explain with case laws. 15

6. (c) "एक 'वाहक लिखत' सामान्य वितरण द्वारा अंतरणीय होता है । एक 'आदेशानुसार देय लिखत' को पृष्ठांकन अथवा वितरण द्वारा अंतरित किया जा सकता है ।" व्याख्या कीजिये ।

"A 'bearer instrument' is transferable by simple delivery. An 'instrument payable to order' can be transferred by endorsement and delivery." Explain. 15

7. (a) " 'मानक-संविदाओं' में बड़ी संख्या में निबंधन एवं शर्तें 'सुस्पष्ट' (Fine Print) होती हैं जो संविदा के अन्तर्गत दायित्व को प्रतिबन्धित या अक्सर बाहर कर देती हैं । व्यक्ति बड़े पैमाने पर संगठन (संस्थाओं) के साथ शायद ही सौदा कर सकते हैं ।" न्यायालयों द्वारा प्रतिपादित सुरक्षा तरीकों की व्याख्या कीजिये ।

" 'Standard-contracts' contain a large number of terms and conditions in 'fine print' which restrict or often exclude liability under the contracts. The individuals can hardly bargain with the massive organisation." Explain the modes of protection which have been evolved by the courts. 20

7. (b) भारत में 'सूचना का अधिकार' के सांविधानिक आधार का वर्णन कीजिये । निर्णीत वादों का संदर्भ दें ।

Describe the constitutional roots of 'Right to Information' in India. Refer to decided case laws. 15

7. (c) " 'अप्रकटित मालिक का सिद्धान्त' तब प्रकाश में आता है जब अभिकर्ता न तो मालिक के अस्तित्व को प्रकट करता है, न ही उसके प्रातिनिधिक चरित्र को ।" इस तरह के मामलों में मालिक अभिकर्ता एवं तीसरी पार्टी के अधिकार एवं दायित्वों की विवेचना कीजिये ।

"The doctrine of 'Undisclosed Principal' comes into play when the agent neither disclosed the existence of his principal nor his representative character." In such cases discuss the rights and liabilities of the Principals, the agent and the third parties. 15

8. (a) तृतीय पक्ष-सामग्री उन्हीं द्वारा होस्ट (प्रस्तुत) करने का उत्तरदायी, किसी मध्यस्थ को, किन परिस्थितियों में ठहराया जा सकता है ? सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम में सुसंगत विधिक उपबंधों और अन्य समकालीन विकासों (गतिविधियों) के प्रकाश में मध्यस्थों के उत्तरदायित्व की व्याख्या कीजिए ।

Under what circumstances, can an intermediary be held liable for third party-content hosted by them ? Explain the liability of intermediaries in the light of the relevant legal provisions in IT Act and other contemporary developments. 20

8. (b) 'मीडिया-परीक्षणों में न्याय-प्रशासन को नष्ट करने की संभावना होती है । इस कथन के आलोक में, मीडिया परीक्षण पर भारत के विधि आयोग की रिपोर्ट का विश्लेषण कीजिये ।

'Media trials entail the possibility of subverting administration of justice.' In the light of this statement, analyse the report of Law Commission of India on Media Trial. 15

8. (c) "यद्यपि जोखिम और सम्पत्ति आमतौर पर एक साथ चलते हैं, दोनों अपृथक (अविभाज्य) नहीं हैं । कभी-कभी जोखिम एक पार्टी में और सम्पत्ति दूसरे में हो सकती है ।" माल विक्रय अधिनियम, 1930 के अन्तर्गत 'जोखिम चला देना' से सम्बन्धित विधि की विवेचना कीजिये ।

"Though risk and property generally go together, the two are not inseparable. Sometimes risk may be in one party and property in another." Discuss the law relating to 'passing off risk' under the Sale of Goods Act, 1930. 15

विधि (प्रश्न-पत्र II)

LAW (Paper II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे Time Allowed : Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिये नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए ।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए । अपना उत्तर सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों से समर्थित कीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each. Support your answer with relevant legal provisions and Judicial pronouncements : 10×5=50

1.(a) दुराशय (मेन्स-रिया) का अन्तर्निहित सिद्धान्त एक प्रचलित लैटिन कहावत (मैक्सिम), — 'एक्टस नान फेसिट रियम निसि मेन्स सिट रिया,' – 'केवल कार्य किसी को अपराधी नहीं बनाता, यदि उसका मन भी अपराधी न हो,' में अभिव्यक्त है । निर्णीत वादों सहित समझाइए ।

The underlying principle of mens-rea is expressed in the familiar Latin maxim — 'actus non-facit reum nisi mens sit rea,' – 'the act does not make a man guilty unless the mind is also guilty.' Explain with decided cases. 10

1.(b) 'यह सिद्धान्त कि सह-षड्यन्त्रकारियों के समस्त कार्यों के लिए प्रत्येक षड्यन्त्रकारी उत्तरदायी होगा, यदि वह षड्यन्त्र के उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में किया गया है, भले ही उनमें से कुछ उस अपराध की पूर्णता में सक्रिय रूप से प्रतिभाग नहीं किये हैं ।'

उपरोक्त कथन के आलोक में भा. दण्ड संहिता 1860 के अनुसार 'आपराधिक षड्यन्त्र' को समझाइए ।

'The principle that every conspirator is liable for all the acts of co-conspirators if they are towards attaining the goals of the conspiracy even if some of them have not actively participated in the commission of that offence/s.'

In the light of above statement, explain the principle of criminal conspiracy as per Indian Penal Code 1860. 10

1.(c) 'भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 304-A के अधीन व्यक्ति को मानव वध के लिए दोषी ठहराये जाने हेतु अपेक्षित कि क्या कोई विशिष्ट कृत्य उतावलापन या उपेक्षा से किया गया कृत्य है, वस्तुतः उपेक्षा की डिग्री (मात्रा) से विनिर्धारित होता है ।' विवेचना कीजिए ।

'It is the degree of negligence which really determines whether a particular action will amount to rash and negligent act as required to hold a person guilty of homicide under Section 304-A of Indian Penal Code, 1860.' Discuss. 10

1.(d) 'राज्य के प्रतिनिहित दायित्व का विनिर्धारण इसके समस्त पदाधिकारियों द्वारा बरती गयी उपेक्षा से जुड़ी है और किसी उन्मुक्ति का दावा नहीं किया जा सकता है ।'

उपरोक्त संप्रेक्षण के आलोक में राज्य के प्रतिनिहित दायित्व का उसके सम्प्रभुकृत्यों के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।

'The determination of vicarious liability of the state is linked with the negligence made by all its functionaries and no immunity can be claimed.'

In the light of above observation discuss; vicarious liability of state with reference to its sovereign functions. 10

1. (e) "उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अन्तर्गत 'उत्पाद-दायित्व' का लागू किया जाना 'क्रेता-सावधान सिद्धान्त' के अंत (समाप्ति) और 'विक्रेता-सावधान' के नये सिद्धान्त के प्रारम्भ (स्थापना) को चिह्नित करता है।" विवेचना कीजिए।

"The introduction of 'product liability' under the Consumer Protection Act, 2019 marked an end of the 'buyer beware' doctrine and the introduction of 'seller beware' as the new doctrine." Discuss. 10

2. (a) "भारत में 'सौदा-अभिवाक' को लागू किये जाने का औचित्य यह रहा है कि यह विचाराधीन कैदियों के मामलों में सस्ता एवं शीघ्र विधि (तरीके) से विलम्ब को कम करेगा।"
क्या आप इसके प्रचलन (अस्तित्व) के वर्तमान स्वरूप की प्रशंसा करते हैं अथवा नहीं ? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध करें।

"Justification for introduction of 'plea-bargaining' in India was that it will reduce delay in case of undertrial prisoners in a cheaper and quicker method."
Do you appreciate its existence in the same form or not ? Justify your answer. 20

2. (b) 'मत्तता (नशा) धारणा (बोध) और निर्णय-क्षमता को क्षीण (कम) करती है, जिससे एक व्यक्ति अपने आचरण (कृत्य) के परिणाम का पूर्वानुमान करने में असफल होता है।' इस पृष्ठभूमि में मत्तता के बचाव संबंधी विधि की समीक्षा कीजिए और निदर्शक वादों को संदर्भित कीजिए।

'Intoxication impairs perception and judgement both so one fails to foresee the result of his conduct.' In this backdrop, examine the law relating to the defence of intoxication and refer to the leading cases. 15

2. (c) आप कहाँ तक सहमत हैं कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 समाज में भ्रष्टाचार दूर करने में एक महत्त्वपूर्ण विधिक साधन (अभिकरण) है। विवेचना कीजिए।
इस विधि के अन्तर्गत मान्य अपराधों के प्रकार क्या हैं और दण्ड क्या हैं ?

How far do you agree that prevention of corruption Act 1988 is an important legal instrument in curbing corruption in the society. Discuss.
What are the types of offences recognised under this law and what are punishments ? 15

3. (a) "सहमति सहित/बिना सहमति के दूसरे पक्ष की सम्पत्ति का कब्जा प्राप्ति का तरीका सम्पत्ति के विरुद्ध अपराधों के प्रकार को विनिर्धारित करता है और इस प्रकार — चोरी, दुर्विनियोग और आपराधिक न्यास-भंग को विभेदित करता है।" विवेचना कीजिए।

"It is the mode of acquiring possession of property of other party with/without his consent, which determines the type of offence against property and thus distinguishes theft, misappropriation and Criminal breach of trust." Discuss. 20

3. (b) "एक व्यक्ति लोक उपताप के लिए उत्तरदायी होगा, जब वह कोई कार्य या अवैध लोप करता है जिससे जन सामान्य को साधारण क्षति, खतरा या क्षोभ कारित होता है ..."
उपरोक्त कथन के आलोक में उपताप का इसके प्रकारों सहित विवेचना कीजिए।

"A person is liable for Public nuisance, when he does an act or illegal omission which causes any common injury, danger or annoyance to the public ..."
Discuss Nuisance in the light of above statement along with its types. 15

3. (c) अपकृत्य विधि के अनुसार 'मिथ्या-कारावास' को समझाइए और 'विद्वेषपूर्ण अभियोजन' से विभेदित कीजिए ।

Explain 'false imprisonment' as per law of Torts and distinguish it from 'malicious prosecution.' 15

4. (a) 'यदि किसी एक उद्यम को उसके लाभों के लिए किसी संकटमयी या स्वाभाविक रूप से जोखिमपूर्ण गतिविधि संचालित करने के लिए अनुमति दी जाती है तो ऐसी गतिविधि से उत्पन्न किसी दुर्घटना की कीमत के लिए उपरिव्यय (प्रभार) में समुचित शर्त्त (निबंधन) होगी ।' टिप्पणी कीजिए । (एम. सी. मेहता बनाम भारत संघ) ।

'If an enterprise is permitted to carry on any hazardous or inherently dangerous activity for its profits, the cost of any accident arising on account of such activity must be an appropriate term of overheads.' Comment. (M. C. Mehta v. U.O.I.) 20

4. (b) 'व्यपहरण एक मौलिक अपराध है जबकि अपहरण आत्यंतिक रूप से अपराध नहीं है । यह जब आपराधिक आशय से किया जाता है तब अपराध हो जाता है ।' समझाइए ।

'Kidnapping is a substantive offence while abduction is not an offence exclusively. It becomes offence, when committed with a criminal intent.' Explain. 15

4. (c) 'दुष्प्रेरण का अपराध दुष्प्रेरक के आशय पर निर्भर करता है न कि दुष्प्रेरित व्यक्ति द्वारा किये गये कार्य पर ।' समझाइए ।

'The offence of abetment depends upon the intention of the abettor not upon the act committed by the abetted person.' Explain. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए । अपना उत्तर सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों से समर्थित कीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each. Support your answer with relevant legal provisions and Judicial pronouncements : 10×5=50

5. (a) " 'संविदा-कल्प' न्यायिक सिद्धान्तों से उद्भूत होती है और न कि दो पक्षकारों के मध्य संविदात्मक करार से ।" समझाइए ।

A " 'Quasi-Contract' arises out of judicial principles and not out of contractual agreement between two parties." Explain. 10

5. (b) 'व्यापार के उद्देश्यों के लिए 'सीमित दायित्व भागीदारी' का प्रत्येक भागीदार इसका अभिकर्ता होता है परन्तु दूसरे भागीदारों का नहीं ।' सीमित दायित्व भागीदारी और इसके भागीदारों के दायित्व के विस्तार-क्षेत्र का विश्लेषण कीजिए ।

Every partner of a Limited Liability Partnership (LLP) for the purposes of its business is its agent but not that of other partners. Analyse the extent of liability of LLP and its partners. 10

5. (c) 'असंदत्त विक्रेता के अधिकार पक्षकारों के मध्य किसी अभिव्यक्त या विवक्षित करार पर निर्भर नहीं होते हैं। वह विधि की विवक्षा से उत्पन्न होते हैं।' समझाइए।

'The rights of an unpaid seller do not depend upon any agreement, express or implied, between the parties. They arise by implication of law.' Explain. 10

5. (d) प्रमुख और अभिकर्ता के परस्पर अधिकार और कर्तव्य के लिए उपबंध उनके संविदा में पूर्णतः दिए जा सकेंगे। अभिकर्ता के सामान्य कर्तव्यों का, युक्तियुक्त सावधानी एवं कौशल के विशेष संदर्भ में विवेचना कीजिए।

Mutual rights and duties of the Principal and agent may be wholly provided for in their contract. Discuss the general duties of the agent with special reference to the duty of reasonable care and skill. 10

5. (e) सामानों (वस्तुओं) के भौगोलिक संकेतों (जी.आई.) का वाणिज्यिक महत्त्व क्या होता है? सामानों के भौगोलिक संकेतों के पंजीकृत कराने से पंजीकृत मालिक और अधिकृत प्रयोक्ता के लिए उद्भूत लाभों को समझाइए।

What is the commercial significance of the Geographical Indications of Goods? Explain the benefits that accrue to the registered proprietors and authorised users by registration of Geographical Indications of Goods. 10

6. (a) संविदा-भंग के लिए प्रतिकर (नुकसानी) अधिनिर्णीत करते समय न्यायालयों द्वारा गणना में लिए जाने वाले नियमों की विवेचना कीजिए। सुसंगत सांविधिक प्रावधानों और वाद विधि को संदर्भित कीजिए।

Discuss the rules which are taken into account by the courts while awarding damages for the breach of contract. Refer to the relevant statutory provisions and case law. 20

6. (b) 'एक अवैध संविदा सदैव शून्य होती है परन्तु एक शून्य संविदा सदैव अवैध नहीं होती है।' दोनों प्रकार की संविदा का उदाहरण देते हुए परीक्षण कीजिए।

'An illegal contract is always void but a void contract is not always illegal.' Examine while illustrating both the types of contract. 15

6. (c) 'प्रतिभू का दायित्व द्वितीयक (गौण) होता है परन्तु यह मूल ऋणी के दायित्व के समविस्तीर्ण होता है।' इस पृष्ठभूमि में प्रतिभू के दायित्व के प्रकृति और विस्तार की विवेचना कीजिए।

'The liability of a surety is secondary, but it is co-extensive with that of Principal debtor.' In this backdrop, discuss the nature and extent of liability of surety. 15

7. (a) माध्यस्थम्-स्वायत्तता का सिद्धान्त माध्यस्थम् विधि के निरन्तर विकसित हो रहे क्षेत्र का एक अभिन्न तत्त्व है। माध्यस्थम्-स्वायत्तता का आधार पक्षकारों के वास्तविक आशय को प्रभावी बनाने के लिए देशज न्यायिक संकीर्णता के जोखिम से अपने को दूर रखना है। सिद्धान्त और व्यवहार के संदर्भ सहित टिप्पणी कीजिए।

"The principle of arbitral autonomy is an integral element of the ever evolving domain of arbitration law .... The basis of arbitral autonomy is to give effect to the true intention of the parties to distance themselves from the 'risk of domestic judicial parochialism.' " Comment with reference to the theory and practice. 20

7. (b) 'भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारायें 124 और 125 क्षतिपूर्ति की विधि के संबंध में पूर्ण नहीं है ।' क्षतिपूर्ति और क्षतिपूर्ति-धारकों के अधिकारों के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए ।

'Sections 124 and 125 of the Indian Contract Act, 1872 are not exhaustive of the law of indemnity.' Comment in the context of Indemnity and Indemnity-holder's rights. 15

7. (c) 'भूल सहमति को विफल नहीं करती है, बल्कि केवल पक्षकारों को भ्रमित करती है ।' सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायालयों द्वारा विनिर्णीत वादों को उद्धृत करते हुए समझाइए ।

'Mistake does not defeat consent, but only misleads the parties.' Explain citing the relevant legal provisions and cases decided by the courts. 15

8. (a) "हाल के वर्षों में, यह महसूस किया जा रहा है जो कि निराधार नहीं है, कि 'लोक हित वाद' अब 'प्रचार हित वाद' या 'निजी हित वाद' की ओर उन्मुख हो रहा है और जो एक प्रत्युत्पादक प्रवृत्ति है ।" इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

"There is, in recent years, a feeling which is not without any foundation that 'public interest litigation' is now tending to become 'publicity interest litigation' or 'private interest litigation', and has a tendency to be counter-productive." Examine the statement critically. 20

8. (b) सूचना तकनीकी अधिनियम 2000 के अन्तर्गत 'सेफ हारबर' (सुरक्षित आश्रय) उपखण्ड की सुसंगतता का विवेचना कीजिए । तीसरे पक्षों की प्रविष्टियों (पोस्ट्स) और सूचनाओं को पारेषित करने के लिए मध्यस्थों (विचौलियों) को उत्तरदायी बनाने की आवश्यकता पर टिप्पणी कीजिए ।

Discuss the relevance of the 'safe harbour' clause under the Information Technology Act 2000. Comment on the need to make the intermediaries liable for transmitting the posts and communications of third parties. 15

8. (c) एक सूचना जिस रूप में माँगी गयी है, साधारणतया उसी रूप में दी जानी आवश्यक है । क्या इस नियम के कोई अपवाद हैं ? उपयुक्त उदाहरण सहित समझाइए ।

An information shall ordinarily be provided in the form in which it is sought. Are there any exceptions to this rule ? Explain with suitable illustrations. 15